भीलवाड़ा,बुधवार,16,अक्टूबर, 2024

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

नमस्ते राजस्थान

वर्ष : 09, अंक: 5 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए | हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

राजस्थान में सज गई 'उपचुनाव की बिसात'..

7 सीटों पर 13 को वोटिंग; नतीजे 23 नवंबर को

एक बार फिर प्रदेश की राजनीति में आएगा उबाल

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। राजस्थान की फिजाओं में एक बार फिर सियासी उबाल आना शुरू हो गया है। चुनाव आयोग ने प्रदेश की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनावों का ऐलान कर दिया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश की झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूंबर, रामगढ़ सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। ऐसे में महज 11 महीनों के अंतराल के बाद ही राजस्थान में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो चली हैं। इन सीटों में से 5 सीट विधायकों के सांसद बनने के कारण और दो सीटें विधायकों के निधन के कारण खाली हुई थीं।

ये उपचुनाव प्रदेश की भजनलाल शर्मा सरकार के लिए लिटमस टेस्ट साबित होंगे। विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल करने के बाद बीजेपी ने तमाम बड़े नेताओं को दरकिनार कर सत्ता की चाबी भजनलाल शर्मा को सौंपी और उन्हें मुख्यमंत्री बनाया। जिन सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें से सिर्फ एक सीट ही विधानासभा चुनावों में बीजेपी के खाते में आई थी। लिहाजा अगर बीजेपी अपनी सीटों की संख्या एक से तीन भी करने में सफल रही, तो इसका श्रेय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ही जाएगा। जिन्होंने बीते 11 महीनों में आम जनता के बीच अपनी सरल-सुलभ मुख्यमंत्री की छवि बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है।

भाजपा-कांग्रेस और तीसरी ताकतों ने भी कसी कमर, सत्ता पक्ष के लिए साख बचाने का मौका तो विपक्ष जवाब देने की तैयारी में

महाराष्ट्र और झारखंड में भी बज गया चुनावी बिगुल, महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होगा मतदान, झारखंड में दो फेज में 13 और 20 नवंबर को होगी वोटिंग

उपचुनाव का शेड्यूल

चुनाव से जुड़े इवेंट	तारीख
अधिसूचना और नामांकन की शुरुआत	18 अक्टूबर 2024
नामांकन की आखिरी तारीख	25 अक्टूबर 2024
नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी	28 अक्टूबर 2024
नाम वापसी की आखिरी तारीख	30 अक्टूबर 2024
मतदान	13 नवंबर 2024
मतगणना	23 नवंबर 2024

कांग्रेस के सामने पुरानी सीटों को बरकरार रखने की बड़ी चुनौती

प्रदेश में जिन 7 सीटों पर उप चुनाव होने वाले हैं, उनमें से बीजेपी के पास केवल सलूंबर सीट से अमृतलाल मीणा विधायक थे, बाकी की 6 सीटों में से 4 पर कांग्रेस, एक सीट भारतीय आदिवासी पार्टी और 1 आरएलपी के पास थी। झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, रामगढ़ सीट पर कांग्रेस के एमएलए थे। लिहाजा कांग्रेस पर अब इस बात का बड़ा दबाव रहने वाला है कि वो अपने खाते की चारों सीटों पर एक बार फिर कब्जा करे। अगर ऐसा होता है तो इसे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की बड़ी सफलता के तौर पर देखा जाएगा। क्योंकि बीते 11 महीनों के दौरान राज्य की भाजपा सरकार के सामने डोटासरा ने पूरी मजबूती के साथ कांग्रेस को खड़ा रखा है। सड़क से विधानसभा तक डोटासरा कांग्रेस को एकजुट रखने में और सरकार को घेरने में कामयाब रहे हैं।

नतीजों से लगेगी सरकार के कामकाज पर मुहर

सात सीटों पर होने वाले उपचुनाव के नतीजे प्रदेश की भाजपा सरकार के कामकाज की पहली परीक्षा के तौर पर भी देखे जाएंगे। इन सीटों पर जो भी नतीजे आएंगे उसे सरकार के कामकाज पर जनता की मुहर के तौर पर पेश किया जाएगा। अगर नतीजे बीजेपी के पक्ष में आते हैं तो बीजेपी इसे सरकार की सफलता के तौर पर पेश करेगी। अगर नतीजे अनुकूल नहीं आते हैं तो विपक्ष और हमलावर होगा और सरकार को पर्सेपसन के मोर्चे पर भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

महाराष्ट्र चुनावों में भी अहम भूमिका निभाएंगे गहलोत-पायलट

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में प्रदेश के पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। कांग्रेस ने गहलोत और पायलट को महाराष्ट्र चुनाव में संभाग लेवल पर सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया है। अशोक गहलोत को डॉ. जी परमेश्वर के साथ मुंबई और कोंकण संभाग के सीनियर ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, सचिन पायलट को उत्तम कुमार रेड्डी के साथ मराठवाड़ा संभाग के सीनियर ऑब्जर्वर का जिम्मा सौंपा गया है। इससे पहले अशोक गहलोत हरियाणा विधानसभा चुनाव में सीनियर ऑब्जर्वर थे। जबकि पायलट को हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में स्टार प्रचारक बनाया गया था। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को वोटिंग होगी।

रिकॉर्ड बदलना चाहेगी भाजपा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहली असली परीक्षा

प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों के मामले में भाजपा का रिकॉर्ड खराब रहा है। अगर वर्ष 2019 से 2024 तक के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो 9 सीटों पर उपचुनाव हुए हैं। इनमें से कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की और भाजपा को महज एक बार एक सीट पर ही सफलता हाथ लगी। एक सीट का उपचुनाव आरएलपी और एक का बीएपी ने जीता। अप्रैल 2024 में बागीदौरा सीट पर हुआ चुनाव प्रदेश में आखिरी उपचुनाव था। जिसमें भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा था और बीएपी ने 51434 मतों से इस सीट पर जीत दर्ज की थी। ऐसे में अब 7 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इनमें से भाजपा की सीट भले ही एक हो लेकिन सत्ता में भाजपा है। लिहाजा पार्टी पर दबाव भी है कि वो खराब रिकॉर्ड में सुधार करते हुए उपचुनावों में बेहतर प्रदर्शन करे।

महाराष्ट्र-झारखंड में बजी चुनावी रणभेरी, चुनाव तारीखों का हुआ ऐलान

महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं झारखंड में 2 फेज में मतदान होगा। पहले चरण में 13 नवंबर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इसके अलावा चुनाव आयोग ने 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का भी ऐलान किया। केरल की वायनाड लोकसभा सीट के साथ 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी। सभी के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

यहां होने हैं विधानसभा उपचुनाव

राजस्थान की 7, पश्चिम बंगाल की 6, असम की 5, बिहार और पंजाब की 4-4, कर्नाटक की 3, केरल, मध्य प्रदेश और सिक्किम की 2-2, गुजरात, उत्तराखंड, मेघालय और छत्तीसगढ़ की 1-1 विधानसभा सीट उपचुनाव होगा।

लखनऊ जा रहे इंडिगो विमान को बम से उड़ाने की मिली धमकी, जयपुर एयरपोर्ट पर कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। दमन से लखनऊ जा रहे इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग जयपुर एयरपोर्ट पर कराई गई है। बता दें कि इस घटना की सूचना के बाद सुरक्षा अधिकारी जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंच चुके हैं और मामले की जांच में जुटे हुए हैं। बता दें कि अब तक विमान में बम मिलने की सूचना नहीं मिली है।

बम की धमकी के मद्देनजर इंडिगो के विमान की जयपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। बता दें कि इंडिगो का यह विमान दमन से लखनऊ जा रहा था, इसी दौरान बम की धमकी मिली। बता दें कि विमान की जयपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करा दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। इस दौरान एयरपोर्ट पर सुरक्षा के सारे इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा एजेंसियां सभी यात्रियों की जांच कर रही हैं। इस सूचना के सामने आने के बाद सुरक्षा के लिहाज से जयपुर एयरपोर्ट पर उतरने वाली और उड़ने वाली सभी फ्लाइट्स पर रोक लगा दी गई है। फिलहाल प्लेन में किसी भी तरह के बम के मिलने की जानकारी अबतक सामने नहीं आई है।

इंडिगो के विमान की कराई गई लैंडिंग

इंडिगो ने एक बयान में कहा है कि हम दमन से लखनऊ आने वाली उड़ान संख्या 6श्च98 से जुड़ी स्थिति से अवगत हैं। हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं तथा दिशानिर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक सावधानियां बरत रहे हैं। बता दें कि यह विमान सऊदी अरब से लखनऊ आ रहा था।

राजस्थान में 31 अक्टूबर को ही मनाई जाएगी दीपावली, धर्म सभा में विद्वानों ने लिया निर्णय

नमस्ते राजस्थान

जयपुर । देशभर में दीपावली को लेकर चल रहे असमंजस के बीच छोटी काशी जयपुर में मंगलवार को 80 से ज्यादा विद्वान जुटे. इन विद्वानों ने दीपावली 31 अक्टूबर को ही मनाए जाने का सर्वसम्मति से फैसला लिया. इस निर्णय तक पहुंचने से पहले धर्म सभा का आयोजन हुआ, जिसमें ज्योतिषाचार्य, धर्म शास्त्री और संस्कृत विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए. इसके साथ ही दीपावली मनाने की तारीख को लेकर चल रहे असमंजस पर विराम लग गया. हालांकि, अयोध्या और रामेश्वरम में 1 नवंबर को दीपावली मनाई जाएगी.

जयपुर के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभागार में मंगलवार को 'दीपावली निर्णय' विषय पर विशेष धर्मसभा आयोजित की गई. यहां सभी ने एक स्वर में कहा कि 'सम्पूर्ण भारतवर्ष में दीपावली का महापर्व इस वर्ष 31 अक्टूबर 2024 गुरुवार को मनाना शास्त्र सम्मत है. इसके अलावा किसी भी अन्य दिन दीपावली मनाना शास्त्रानुसार नहीं है. संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ज्योतिषाचार्य विनोद शास्त्री ने कहा कि दीपावली 31 अक्टूबर को ही है, क्योंकि अमावस्या 31 अक्टूबर को पूरे प्रदोष काल में है.अमावस्या का दर्श भाग भी 31 अक्टूबर को ही है. एक नवंबर को तो अमावस्या सिर्फ 27 मिनट ही है, वो भी दर्श भाग नहीं है.व्यापिनी कार्तिक अमावस्या में लक्ष्मीपूजन शास्त्रसम्मतः धर्मसभा में वयोवृद्ध ज्योतिष आचार्य प्रो रामपाल शास्त्री ने तर्क दिया कि सभी सनातन धर्मियों के लिए 31 अक्टूबर 2024 गुरुवार को प्रदोषकाल से मध्यरात्रि व्यापिनी कार्तिक अमावस्या लक्ष्मीपूजन करना शास्त्रसम्मत होगा।

बड़े निवेशकों का 'श्रीगणेश'... रियल एस्टेट, डवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में 76400 करोड़ के एमओयू

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत नगरीय विकास विभाग और स्वायत्त शासन विभाग की ओर से अरबन सेक्टर की ओर से जयपुर में प्री-समिट हुई। इसमें प्रदेश के शहरों के विकास पर 76400 करोड़ रुपए के एमओयू किए गए। समारोह में 45315 करोड़ रुपए के निवेश के लिए बड़े निवेशकों के साथ पूर्व हस्ताक्षरित 25 एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। इस दौरान 7 हजार 901 करोड़ रुपए के निवेश के एमओयू से जुड़े निवेशक व उनके प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

इनके अलावा जिलों में कलक्टरों की मौजूदगी में 22 हजार 384 करोड़ रुपए के एमओयू किए गए। समारोह में नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का बड़ा हिस्सा राजस्थान में आता है, इसलिए भी निवेश के लिए प्रदेश महत्वपूर्ण है। इससे पहले यूडीएच के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया ने प्रजेंटेशन दिया। नीति आयोग की प्रधान आर्थिक सलाहकार अन्ना राय ने कहा कि मास्टर प्लान को इकोनॉमी ग्रोथ से जोड़ा जाना चाहिए। इस दौरान प्रमुख कंपनियों में हीरानंदानी कंस्ट्रक्शन, रहेजा कॉर्प, कस्तूरी ग्रुप, विराज सहित अन्य ग्रुप भी शामिल हुए।

निवेशकों ने जताई जरूरत

-राजस्थान में प्रस्तावित नई टाउनशिप नीति ऐसी बने कि देशभर के रियल एस्टेट के बड़े ग्रुप राजस्थान आएं।
-प्रदेश में वेयरहाउसिंग और इंडस्ट्रियल टाउनशिप में निवेश की संभावना है।
-डाटा सेंटर पर फोकस किया जाना चाहिए।

इनसे एमओयू
-हीरानंदानी ग्रुप- 5000 करोड़ (शहरों में आवास निर्माण)
-रॉयल मल्टी स्पोर्ट्स- 5000 करोड (खेल गतिविधियों का विकास)
-ड्रॉम मार्बल- 4500 करोड़ (सिरामिक टाइल्स एंड स्टोंस)
-रहेजा ग्रुप- 3000 करोड (व्यवसायिक इमारत निर्माण)
-कस्तूरी ग्रुप- 2500 करोड़ (आवास निर्माण)
-इंडियन मिशन ऑफ मेडिकल साइंस सोसायटी- 2500 करोड़ (मेडिकल कॉलेज)
-व्रज ग्रुप- 2500 करोड़ (आवास निर्माण)
-रहेजा ग्रुप- 2000 करोड़ (रिसॉर्ट और होटल निर्माण)
-रौनक ग्रुप- 2000 करोड़ (रेंटल हाउसिंग व अन्य)
-मिनरल प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड- 1500 करोड़ (मिनरल्स सेक्टर में)
-भारत विकास सेवा संस्थान- 1500 करोड़ (चिकित्सा संस्थान)
-संगम इंडिया-1500 करोड़ (टेक्सटाइल)
-महिमा ग्रुप- 1060 करोड़ (भिवाड़ी प्रोजेक्ट)
-सन डौन डवलपर- 1000 करोड़ (वेयर हाउस व अन्य)
-जीन फाउंडेशन- 1000 करोड़ (शिक्षण संस्थान क्षेत्र)
-आरडीजी सॉल्वेंट-750 करोड़
-ब्यावर लघु उद्योग संघ-2500 करोड़ (लघु उद्योग)

मणिपुर हिंसा के बाद कुकी-मैतेई ने पहली बार बैठक की

नमस्ते राजस्थान

नई दिल्ली। पिछले एक साल से मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के बीच मंगलवार, 15 अक्टूबर को दिल्ली में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच पहली बार बातचीत हुई। गृह मंत्रालय की बैठक में दोनों समुदाय के नेता और विधायक शामिल हुए। ताकि शांति से हिंसा का समाधान निकाला जा सके। बैठक में मैतई समुदाय से राज्य विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रता सिंह, टोंगब्राम रोबिंद्रो, थ. बसंतकुमार सिंह शामिल हुए। वहीं, कुकी समुदाय की तरफ से राज्य मंत्री विधायक लेतपाओ हाओकिप और नेमचा किपजेन थे। नागा समुदाय का प्रतिनिधित्व विधायक राम मुइवाह, आवांगबो न्यूमई और एल. डिखो ने किया।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने किसानों को दीपावली की सौगात दी

3.25 लाख डेयरी किसानों की बल्ले-बल्ले, बैंक खातों में ट्रांसफर हुई 92.41 करोड़ की अनुदान राशि

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के 3.25 लाख डेयरी किसानों की बल्ले-बल्ले। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को शासन सचिवालय में डेयरी किसानों को दीपावली की सौगात देते हुए मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना की 92.41 करोड़ रुपए की अनुदान राशि उनके बैंक खातों में सीधे ही डीबीटी के माध्यम से जारी की। इससे प्रदेश के लगभग 3.25 लाख पशुपालक लाभान्वित होंगे। मीडिया से वार्ता करते हुए मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि दुग्ध उत्पादकों को दूध के मूल्य का भुगतान आरसीडीएफ द्वारा किया जाता है। वहीं मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादन संबल योजना के अंतर्गत 5 रुपए की अनुदान राशि भी दुग्ध उत्पादकों को दी जा रही है, जिससे दुग्ध उत्पादकों को दुगुना फायदा हो रहा है। इस योजना का लाभ सीधे दुग्ध उत्पादकों को उनके बैंक खातों के माध्यम से पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) सिस्टम द्वारा राशि हस्तांतरित की जा रही है। मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि हाल ही में दूरदराज के क्षेत्रों में पशुओं के इलाज की समुचित व्यवस्था के लिए 536 मोबाइल वेटरनरी यूनिट और 1962 कॉल सेंटर प्रारंभ किया गया है। अब एक कॉल करते ही पशुपालक के द्वार पहुंचकर पशु का इलाज किया जा रहा है, जिससे पशुपालकों के धन और समय दोनों की बचत हो रही है।

प्रदेश में खोले जाएंगे सरस पार्लर, संबल योजना के लिए 600 करोड़ रुपए बजट का प्रावधान

पशुपालन मंत्री ने नागौर जिले के पशुपालक को किया फोन

डीबीटी के माध्यम से अनुदान राशि के हस्तांतरण के तुरंत बाद पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने नागौर की डेगाना तहसील के पशुपालक सहदेव दिया से फोन पर बात की। सहदेव ने खुशी जताते हुए कहा कि दो माह की अनुदान राशि 10 हजार रुपए उनके बैंक खाते में आ गए हैं और इसका मैसेज भी उन्हें मोबाइल पर प्राप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि समय पर राशि सीधे उनके बैंक खाते में आने से वे बेहद खुश हैं।

दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि हुई

मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि इस योजना के लागू होने से दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि हुई है, जिससे दुग्ध उत्पादक किसान पशुधन का अच्छे से पालन-पोषण कर रहे हैं। साथ ही दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि हुई है जिससे राजस्थान दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है।

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के लिए 600 करोड़ रुपए बजट का प्रावधान

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों एवं पशुपालकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी ₹ म में वर्ष 2024-25 के बजट में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के लिए 600 करोड़ रुपए बजट का प्रावधान किया गया है।

सभापति के सुसर का कॉम्प्लेक्स तोड़ने पहुंचीं आयुक्त:

बोलीं- पावर का गलत इस्तेमाल मत कीजिए
पूर्व मंत्री-SHO के बीच तीखी बहस

नमस्ते राजस्थान

झुंझुनूं झुंझुनूं शहर सोमवार शाम नगर परिषद सभापति नगमा बानो और आयुक्त अनिता खीचड़ की बीच खींचतान खुलकर सामने आ गई। आयुक्त अनिता खींचड़ सोमवार शाम 7 बजे नगर परिषद टीम लेकर सभापति के ससुर पूर्व चेयरमैन तैयब अली के चूरू रोड स्थित तीन मंजिला कॉम्प्लेक्स पर कार्रवाई करने पहुंच गईं। इसके बाद सभापति-आयुक्त आमने सामने हो गईं। कार्रवाई के खिलाफ लोग भी जुट गए। रात 10 बजे तक मामला गरमाया रहा। आखिर आयुक्त को बिना कार्रवाई लौटना पड़ा। शाम 7 बजे पूर्व चेयरमैन के कॉम्प्लेक्स को अवैध बताते हुए कार्रवाई करने जिला परिषद आयुक्त अनिता खींचड़ मौके पर पहुंचीं थीं।

कलेक्टर-एसपी ने की मीटिंग, जाप्ता लौटा

रात 9 बजे एसपी शरद चौधरी और कलेक्टर रामवतार मीणा बैठे और चर्चा की। इसके बाद एसपी ने कहा कि कार्रवाई से कानून व्यवस्था बिगड़ने का अंदेशा है। इसके बाद कलेक्टर ने कार्रवाई रोकने के आदेश दिए। एडीएम अजय वर्मा मौके पर पहुंची और आयुक्त को समझाया। इसके बाद जाप्ता रात 10 बजे मौके से लौट आया।

रविवार को तबादला हुआ, सोमवार को कार्रवाई करने पहुंचीं

जानकारी के अनुसार आयुक्त अनिता खींचड़ का तबादला रविवार रात केकड़ी हो गया था। इसके बाद सोमवार को उन्होंने सभापति नगमा बानो के ससुर के कॉम्पलेक्स के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए टीम को निर्देश दे दिए। इसकी भनक सभापति नगमा बानो को लगी तो तैयब अली के कॉम्प्लेक्स के बाहर भीड़ जुट गई। नगमा बानो भी पहुंचीं और आयुक्त से पूछा- आपका तबादला हो गया है, किस हैसियत से यहां आई हैं। अवैध निर्माण बहुत से हैं, पहले उनको हटाओ।

कॉम्पलेक्स के किराएदारों से भी हुई बहस

कॉम्पलेक्स के बाहर जुटे लोगों ने कहा कि हम किरायेदार हैं, हमारे खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकते। आयुक्त ने किरायानामा दिखाने की बात कही तो टीम का विरोध शुरू हो गया। एक कर्मचारी ने बिल्डिंग पर लाल निशान लगाया तो लोगों ने उसे वहां से हटा दिया। इसके बाद आयुक्त ने पुलिस बल बुला लिया। हंगामा होने की आशंका के चलते एडीएम अजय आर्य, एसडीएम हवाई सिंह यादव, डिप्टी एसपी वीरेन्द्र शर्मा, थाना इंचार्ज पवन चौबे आदि पुलिस टीम व आरएसी की टीम के साथ मौके पर आ गए। माहौल तनावपूर्ण हो गया। टीम ने कई बार कॉम्पलेक्स की सीढ़ियां चढ़ने की कोशिश की लेकिन विरोध के कारण नीचे आ गए।

सभापति बोलीं- आयुक्त को कार्यमुक्त किया, नियम विरुद्ध कार्रवाई

सभापति नगमा बानो ने कहा- आयुक्त अनिता खीचड़ का तबादला रविवार रात को ही केकडी हो गया है। मैंने नियमों के अनुसार केकड़ी के लिए कार्यमुक्त कर दिया है। आयुक्त जान-बूझकर रंजिश की भावना से मेरे रिश्तेदारों को परेशान कर रही हैं। उन्हें कोई अधिकार नहीं है कि तबादले के बाद गैर-कानूनी तरीके से किसी को परेशान करें। आयुक्त अनिता खीचड ने कहा- मैं सरकार के आदेश की पालना कर रही हूं। मुझे अभी किसी ने रिलीव नहीं किया है। सरकार ने अपनी जांच में इस भवन को अवैध माना है। उसकी पालना में कार्रवाई की जा रही है। मामला बढ़ने की सूचना पर पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा भी पहुंच गए। गुढ़ा और कोतवाली थाना इंचार्ज पवन चौबे के बीच बहस हो गई। रल्ड चौबे गुस्सा हो गए। सीनियर अधिकारियों के दखल के बाद पुलिसकर्मी उन्हें मौके से ले गए।

पूर्व मंत्री व थाना इंचार्ज में इसलिए हुई बहस

पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने थाना इंचार्ज पवन चौबे से कहा- हमें तो यहां कबड्डी-कबड्डी करते काफी टाइम हो गया। सुबह फिर कोर्ट के सामने कबड्डी-कबड्डी करेंगे। आप काम ठीक नहीं करोगे तो यहां से चले जाओगे। हम तो यहीं रहेंगे। इस पर चौबे को गुस्सा आ गया। उन्होंने कहा- आप ऐसे बात नहीं कर सकते। इसके बाद दोनों में जोरदार बहस हो गई। गुढ़ा समर्थकों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। डिप्टी एसपी वीरेन्द्र कुमार ने बीच बचाव कर दोनों को शांत करवाया। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि यह बदले की कार्रवाई थी।

टायर बिजनेसमैन ने जॉब दिलाने के बहाने किया रेप:

स्कूटी का टायर बदलवाने गई थी लड़की; मोबाइल नंबर लेकर बढ़ाई दोस्ती

भीलवाड़ा भीलवाड़ा में लड़की को जॉब दिलाने के बहाने टायर बिजनेसमैन ने रेप किया। आरोपी लड़की को कार से अपने साथ ले गया और नशीला पेय पिलाकर रेप किया। टायर व्यवसायी को प्रतापनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रतापनगर थाना प्रभारी गजेन्द्रसिंह नरुका ने बताया- 20 दिन पहले एक लड़की ने रेप की रिपोर्ट दी थी। उसने रिपोर्ट में बताया- मैं सहेली की स्कूटी लेकर मार्केट में टायर बदलवाने गई थी। एक टायर की दुकान पर मालिक ने टायर नहीं होने की बात कही। उसने कहा टायर आ जाएगा तो आपको कॉल करूंगा। इस बहाने से उसने मेरा मोबाइल नंबर ले लिया। कुछ दिन बाद टायर लगवाने के लिए दुकान पर गई तो उसने जॉब लगवाने की झांसा दिया। 18 सितंबर को उसने अहिंसा सर्कल बुलाया। वहां से वह कार में अपने साथ चंद्रशेखर आजादनगर इलाके में ले गया और नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर रेप किया। आरोपी ने फोटो वीडियो भी बना लिए।

पुलिस ने किया गिरफ्तार, कार बरामद

इस मामले में पुलिस ने लड़की की रिपोर्ट पर जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी की कार भी बरामद कर ली है।

डंपर की टक्कर से ट्रैक्टर के दो टुकड़े हुए

सड़क के दूसरे किनारे जाकर गिरी ट्रॉली, दो मजदूरों की मौत; डंपर ड्राइवर फरार

नमस्ते राजस्थान

डीडवाना (डीडवाना-कुचामन) डीडवाना में डंपर की टक्कर से ट्रैक्टर के दो टुकड़े हो गए। ट्रैक्टर के आगे का हिस्सा अलग हो गया जबकि ट्रॉली उड़कर सड़क के दूसरे किनारे पर जाकर गिरी। हादसे में ट्रैक्टर में सवार दो मजदूरों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद डंपर ड्राइवर फरार हो गया। घटना डीडवाना-नागौर हाईवे नं 458 पर डीडवाना से 11 किमी दूर कोलिया गांव में मंगलवार सुबह 4.30 बजे हुई। डीडवाना थाना के हेड कॉन्स्टेबल दशरथ सिंह ने बताया- हादसे की सूचना पर सुबह 5 बजे डीडवाना थाना से पुलिस मौके पर पहुंची। घायल मजदूरों को डीडवाना के बांगड़ अस्पताल पहुंचाया। शवों को बांगड़ हॉस्पिटल (डीडवाना) की मॉच्युर्री में रखवाया।

नीमकाथाना से जोधपुर जा रहे थे मजदूर

हेड कॉन्स्टेबल दशरथ सिंह ने बताया- टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रॉली का ऊपरी हिस्सा अलग होकर सड़क के दूसरी तरफ जा गिरा। मजदूर उछलकर सड़क पर गिरे। हादसे में उदयपुरवाटी के पचलंगी गांव निवासी शंकर सिंह (42) और उसका बेटा पप्पू सिंह ट्रैक्टर में सवार थे। इनके अलावा नीमकाथाना के गांव ग्वाला निवासी ख्यालीराम सैनी (51) और बीजू भाकर भी थे। चारों ट्रैक्टर से सोमवार शाम 4.30 बजे नीमकाथाना से जोधपुर जाने के लिए निकले थे। डीडवाना में आज सुबह हादसा हो गया। हादसे में शंकर सिंह और ख्यालीराम की मौके पर ही मौत हो गई। उसके घर में पत्नी केसर देवी, दो बेटे 14 और 10 साल के और एक बेटी 12 साल की है। जबकि शंकर का बेटा पप्पू घायल है। बीजू भाकर को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है ताकि डंपर का पता लगाया जा सके। पुलिस ने शवों को अस्पताल की मॉच्युर्री में रखवाया गया व परिजन को सूचना दी।

मजदूरी कर परिवार पाल रहा था शंकर

शंकर सिंह की शादी 2021 में हुई थी। पप्पू के अलावा उसके डेढ़ साल की बेटी है। छोटा भाई साथ ही रहता है। पूरे परिवार के लालन-पालन की जिम्मेदारी शंकर पर थी। वह मजदूरी कर अपना परिवार चला रहा था।

फाइनेंस कम्पनी के वसूली अभिकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज

समय पर फाइनेंस की किश्त जमा नहीं करवाने का आरोप

नमस्ते राजस्थान

हनुमानगढ़ हनुमानगढ़ में समय पर फाइनेंस किश्त की राशि वसूली अभिकर्ता को देने के बाद भी उसने राशि कम्पनी में जमा नहीं करवाई। इस कारण अब कम्पनी की ओर से फाइनेंस पर खरीदी गई स्कूटी उठाकर ले जाने की धमकी दी जा रही है। स्कूटी खरीदने वाले व्यक्ति की रिपोर्ट के आधार पर वसूली अभिकर्ता के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में आईपीसी की धाराओं के तहत जंक्शन पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। एएसआई शिवनारायण ने बताया कि पवन कुमार पुत्र रमेश कुमार खत्री निवासी वार्ड 58, सुरेशिया, जंक्शन ने लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पास स्कूटी है। उसने जंक्शन में संगरिया रोड स्थित ग्राम शक्ति से स्कूटी का फाइनेंस करवाया था। 2023 में उसका और कम्पनी के बीच कुल 22 हजार 500 रुपए राशि बकाया पर समझौता हुआ। यह राशि उसे कुल 4 किश्तों में 31 अगस्त 2023 तक

जमा करवानी थी। उसने 4500 रुपए की प्रथम किश्त 26 मई 2023 को, 6000 रुपए की द्वितीय किश्त 30 जून 2023, 5900 रुपए की तीसरी किश्त 31 जुलाई 2023 को और 6100 रुपए की चौथी किश्त 30 अगस्त 2023 को कम्पनी के वसूली अभिकर्ता सुनील राजपूत निवासी मक्कासर को अदा कर दी। इनमें से 3 किश्तों की रसीद तो सुनील राजपूत ने उसे उपलब्ध करवा दी, लेकिन चौथी किश्त की राशि प्राप्त कर रसीद और एनओसी नहीं दी। इसके लिए सुनील राजपूत ने कहा कि सिस्टम में खराबी चल रही है। सिस्टम सही होते ही रसीद और एनओसी दे दी जाएगी, लेकिन बार-बार मांगने पर सुनील राजपूत ने रसीद और एनओसी नहीं दी। इस पर उसने 22 अगस्त 2024 को जंक्शन पुलिस थाना में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। इस पर सुनील राजपूत ने राशि जमा करवाने की दिनांक की रसीद नहीं देकर 24 अगस्त 2024 की रसीद उपलब्ध करवाई। उसकी ओर से राशि सही समय पर देने के बाद भी सुनील राजपूत की ओर से सही समय पर राशि जमा नहीं करवाई गई। इस कारण कम्पनी उसे एनओसी उपलब्ध नहीं करवा रही है, बल्कि स्कूटी उठाकर ले जाने की धमकी दे रही है। पवन कुमार ने आरोप लगाया कि सुनील राजपूत और कम्पनी ने मिलीभगत कर षड्यंत्र रचकर उसके साथ ठगी की। पुलिस ने सुनील कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टोबैको फ्री यूथ कैम्पेन 2.0 अभियान के तहत

स्कूलों में तंबाकू निषेध विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

नमस्ते राजस्थान

भीलवाडा, प्रदेश में युवाओं में बढ़ रहे नशे की लत को रोकने हेतु राज्य सरकार द्वारा ह्यह्यटोबैको फ्री यूथ कैम्पेन 2.0 का संचालन किया जा रहा है। अभियान के दौरान मंगलवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के राजकीय विद्यालयों में तम्बाकू निषेध पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा स्कूली विद्यार्थियों को तम्बाकू से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए तम्बाकू निषेध एवं उससे होने वाली हानिकारक बीमारियों से संबंधित पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। पोस्टर प्रतियोगिता में विजेता छात्रों को पुरस्कार प्रदान किये गये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 चेतेन्द्र पुरी गोस्वामी ने बताया कि जिले में चलाए जा रहे 60 दिवसीयह्यह्यटोबैको फ्री यूथ कैम्पेन अभियान के दौरान स्कूलों में आयोजित की गयी पोस्टर प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने तम्बाकू के सेवन से होने वाले शारीरिक नुकसान पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किये। इस दौरान विद्यालयों में अध्यापकों द्वारा तम्बाकू के उपयोग से होने वाली बीमारियों के बारे में बच्चों को जानकारी देते हुए गर्भवती महिलाओं द्वारा तम्बाकू का सेवन करने व युवाओं में तम्बाकू के सेवन से स्वास्थ्य पर पडने वाले गंभीर दुष्परिणामों व बीमारियों के बारे में बताया गया।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

नमस्ते राजस्थान

भीलवाडा सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को रानी लक्ष्मीबाई केंद्र के अंतर्गत प्राचार्य प्रोफेसर सावन कुमार जांगिड के मार्गदर्शन में आत्मरक्षा शिविर के प्रथम बैच का प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। केंद्र प्रभारी डॉ सीमा गौड़ ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिन 25 छात्राओं ने शिविर में भाग लिया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में पुलिस विभाग की कमांडोज प्रशिक्षक श्रीमति राजकुमारी एवं श्रीमति सरोज ने छात्राओं को आत्मरक्षा की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में बताया। उन्होंने छात्राओं को कहा कि वे स्वयं की सुरक्षा के लिए अपने साथ पेन, सेफ्टी पिन, स्प्रे आदि का उपयोग विपत्ति के समय कर सकती हैं। श्रीमती सरोज ने छात्रों को वार्म अप का अभ्यास करवाया । प्रशिक्षण शिविर एक माह तक चलेगा तथा प्रशिक्षण शिविर का समय प्रातः 9 से 10 बजे तक रहेगा। शिविर में जिले के अन्य महाविद्यालयों में अध्यनरत नियमित छात्राएं भी भाग ले सकती हैं ।

ग्राम सेवा सहकारी समितियों में भी खाद की किल्लत:

4 घंटे तक लाइन में लगने के बाद मिल रहे 2 कट्टे; किसानों ने दी चेतावनी

नमस्ते राजस्थान

टोंक टोंक जिले में रबी फसल की बुवाई शुरू होने के साथ ही खाद की किल्लत हो गई है। किसानों को जरूरत के हिसाब से खाद नहीं मिल रही है। किसानों को निर्धारित रेट पर खाद देने वाली ग्राम सेवा सहकारी समितियों में भी खाद की किल्लत बनी हुई हैं। अधिकांश समितियों में तो खत्म हो गया है। जिन कुछ समितियों में खाद है, वह भी पर्याप्त मात्रा में नहीं हैं। इसके चलते किसानों को दो-दो खाद के कट्टे लेने के लिए भी चार-चार घंटे तक लाइन में लगना पड रह है। ग्राम पंचायत हमीरपुर की ग्राम सेवा सहकारी समिति में मंगलवार को दिनभर ऐसे ही हालात बने रहे। जहां सुबह से ही किसानों की लाइन पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं होने के कारण लगी रही। पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीणों को सुबह से लेकर शाम तक लाइनों में लगकर दो-दो कट्टे डीएपी व एक नैनो यूरिया की बोतल दी गई।

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सेवा सहकारी समिति में खाद की बहुत कमी है, इसके चलते किसानों को पर्याप्त खाद नहीं मिल रहा है। प्रति किसान दो कट्टे खाद के दिए जा रहे है। जबकि उन्हे दस कट्टों की जरूरत है।

जल्द ही व्यवस्था नहीं होने पर प्रदर्शन की चेतावनी

किसानों ने चेतावनी दी है कि जल्दी ही खाद की व्यवस्था नहीं हुई तो प्रदर्शन किया जाएगा। किसान मोरपाल, लखन, सत्यनारायण, आसिफ खान, बाबू, फिरोज, अरबाज खान, कैलाश, शंकर लाल, सूरज आदि किसानों ने बताया कि खाद के लिए सुबह से शाम तक डटे रहे। ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष यश नारायण योगी व व्यवस्थापक का कहना है कि सहकारी समिति में 500 डीएपी के कट्टे ही उपलब्ध हुए थे, जो पर्याप्त नहीं है। हम कोशिश कर रहे हैं कि एक-दो दिन में और खाद मंगवाकर वितरण करवाए। ताकि किसानों की खाद की मांग पूरी हो सके।

मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने जर्मनी को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट: 2024 का पार्टनर कंट्री बनने के लिए आमंत्रित किया

नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर जर्मनी की कंपनियों के लिए राजस्थान एक विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने के लिए तैयार: मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा

राजस्थान में कार्यालय स्थापित करने के लिए बवेरिया राज्य को आमंत्रित किया

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने म्यूनिख में बवेरिया के चांसलर और संघीय मामलों के राज्य मंत्री से मुलाकात की,

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा/जयपुर, ह्यराइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत राज्य में निवेश बढ़ाने हेतु यूरोप के निवेशकों और कंपनियों से मुलाकात के लिए मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार से जर्मनी के दौरे पर है। अपने दौरे की शुरूआत में प्रतिनिधिमंडल ने बवेरिया राज्य चांसलरी के प्रमुख और संघीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. फ्लोरियन हरमन के साथ म्यूनिख में मुलाकात की। इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जर्मनी को ह्यराइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 का ह्यपार्टनर कंट्री बनने के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर राजस्थान में जर्मन निवेशकों के लिए एक विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने की भी पेशकश की।

डॉ. हरमन से हुई इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने जर्मनी के बवेरिया राज्य और राजस्थान के बीच एक सिस्टर पार्टनरशिप स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा जिसमें अक्षय ऊर्जा पर विशेष जोर दिया जाएगा। बवेरिया और राजस्थान के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए इस बैठक में राजस्थान में बवेरिया का एक कार्यालय स्थापित करने का भी मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया और राज्य में

निवेश आकर्षित करने में जर्मन सरकार से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। इस बैठक के दौरान बवेरिया और राजस्थान के बीच स्किल्ड मैनपावर की जरुरतों को पूरा करने के लिए लिए आपसी साझेदारी पर भी चर्चा की गई। बवेरिया राज्य चांसलरी के प्रमुख और संघीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. हरमन से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री शर्मा के अलावा उपमुख्यमंत्री सुश्री दिया कुमारी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री शिखर अग्रवाल, म्यूनिख में भारत के महावाणिज्यदूत श्री शत्रुघ्न सिन्हा, डिस्कॉम्स की अध्यक्ष और जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक सुश्री आरती डोगरा, उद्योग विभाग और ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट्स (बीआईपी) के आयुक्त श्री रोहित गुप्ता और राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि हमने जर्मनी सरकार के प्रतिनिधियों के साथ आज बहुत ही उपयोगी चर्चा की। जर्मनी भारत के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और रणनीतिक साझेदारों में से एक है और विभिन्न मामलों में उसकी तकनीकी विशेषज्ञता विश्व प्रसिद्ध है। अपनी मुलाकात के दौरान हमने उनसे तकनीकी सहयोग और राजस्थान में निवेश बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की। जापानी निवेशकों के लिए नीमराणा जोन की तरह ही राजस्थान में जर्मन निवेशकों के लिए भी हम एक विशेष निवेश जोन स्थापित करने के लिए तैयार हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने म्यूनिख स्थित डॉयचेस म्यूजियम का भी दौरा किया जो 1903 में स्थापित एक प्रमुख विज्ञान एवं उद्योग संग्रहालय है। डॉयचेस म्यूजियम के दौरे में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने डॉयचेस म्यूजियम और जयपुर के अल्बर्ट हॉल म्यूजियम के बीच व्यापक सहयोग पर चर्चा की जिसमें दोनों संग्रहालयों द्वारा संयुक्त प्रदर्शनियों का आयोजन, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा देना, स्टेम के तहत अनुसंधान कार्यक्रमों में आपसी सहयोग, डॉयचेस संग्रहालय में राजस्थानी युवाओं के लिए इंटर्नशिप के

अवसर पैदा करना और राजस्थान में अन्य ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना शामिल है। दोनों संग्रहालयों के बीच इस सहयोग का उद्देश्य सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। जयपुर का अल्बर्ट हॉल संग्रहालय अपनी इंडो-सारसेनिक वास्तुकला और राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को व्यापक रूप से प्रदर्शित करने के लिए प्रसिद्ध है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने हाइड्रोजन और डायरेक्ट मेथनॉल फ्यूल सेल्स की अग्रणी कंपनी एसएफसी एनर्जी एजी के परिसर का भी दौरा किया और इस दौरान एसएफसी एनर्जी को राजस्थान में निवेश करने हेतु आमंत्रित किया। यहां हुई बैठक के दौरान राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने एसएफसी एनर्जी के अधिकारियों को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान की अग्रणी भूमिका, हरित ऊर्जा के प्रति राज्य के महत्वाकांक्षी लक्ष्य और फ्यूल सेल्स के उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश के अंदर मौजूद संभावनाओं की जानकारी भी दी। इस बैठक के दौरान एसएफसी एनर्जी ने राज्य के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने में रुचि दिखाई। इससे पहले म्यूनिख पहुंचने पर मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा और राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल का राजस्थान एसोसिएशन जर्मनी (आरएजी) के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान आरएजी के श्री हरगोविंद सिंह राणा, श्री शांतनु दवे और एसोसिएशन के अन्य सदस्य मौजूद थे। इस दौरान हुई बातचीत में मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने राजस्थान मूल के लोगों से अपनी जन्मभूमि से संबंधों को मजबूत बनाने का आह्वान किया और उन्हें प्रदेश में व्यवसाय करने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने म्यूनिख में भारत के महावाणिज्यदूत श्री शत्रुघ्न सिन्हा के साथ मुलाकात की और उन्हें राजस्थान में निवेश बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे आर्थिक और नीतिगत सुधारों के बारे में जानकारी दी। सोमवार के अपने अंतिम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल रात में अनिवासी राजस्थानी (एनआरआर) समुदाय के सदस्यों से मुलाकात करेगा। यह मुलाकात राज्य सरकार द्वारा राजस्थान मूल के लोगों को राज्य से जोड़ने और संबंधों को मजबूत बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित होने वाले ह्यराइजिंग राजस्थानह्ल ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार बड़े पैमाने पर देशी और विदेशी निवेशकों, संस्थाओं और कॉरपोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों से लगातार बैठकें कर रही हैं ताकि आने वाले समय में प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश हो सके और ह्यविकसित राजस्थानह्ल के लक्ष्य को पूरा करने की ओर बढ़ा जा सके।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 एक नजर में:

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।

इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और अन्य सुविधाएँ मुहैय्या कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी, इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो-केमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस सहित विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष सत्र का आयोजन होगा। इन्वेस्टर रोड शो के जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम में हो रहे कार्यक्रमों का आयोजन म्यूनिख में मौजूद भारत के वाणिज्य दूतावास और लंदन में मौजूद भारतीय उच्चायोग एवं फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से किया जा रहा है। फिक्की ह्यराइजिंग राजस्थानह्ल ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का इंडस्ट्री पार्टनर है। इसके अलावा पीडब्ल्यूसी इंडिया इस इन्वेस्टमेंट समिट का नॉलेज पार्टनर है।

इसके तहत अब तक दिल्ली, मुंबई, सियोल, टोक्यो, ओसाका, दुबई, अबू धाबी, दोहा और सिंगापुर में इन्वेस्टर रोड शो आयोजित किये जा चुके हैं ताकि निवेशकों को राजस्थान से जुड़ने, प्रदेश में निवेश हेतु आमंत्रित करने और उन्हें राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी निवेशक-अनुकूल नीतियों और अवसरों से अवगत कराया जा सके। इस व्यापक आउटरीच के परिणामस्वरूप राजस्थान सरकार को अब तक 12.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव (एमओयू) प्राप्त हुए हैं, जो राज्य सरकार के प्रयासों में निवेशक और व्यापार समुदाय के जबरदस्त विश्वास को दर्शाता है।

भीलवाड़ा शहर में सियार का मूवमेंट,

महिला को पंजा मारा, लोगों ने कुत्ता समझ अनदेखा किया; टीम लाठी-डंडे लेकर ढूंढ रही

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा भीलवाड़ा शहर की संजय कॉलोनी में सुबह 9 बजे सियार दिखाई दिया। एक खाली प्लॉट से निकलकर वह गलियों में घूमता रहा। लोगों ने कुत्ता समझकर इसे अनदेखा कर दिया। बाद में जब वन विभाग व नगर निगम की टीम लाठी-डंडे लेकर गलियों में सियार को तलाशने निकली तो हड़कंप मच गया। डीएफओ गौरव गर्ग ने बताया- आज सुबह टेलीफोन पर शहर की संजय कॉलोनी में एक सियार के घूमने की सूचना मिली थी। रेंजर सहित जाप्ते को क्षेत्र में भेजा गया। टीम ने संभावित स्थानों पर सियार की तलाश की लेकिन अभी तक सियार का कोई पता नहीं लगा है। इसको पकड़ने के लिए टीम द्वारा प्रयास किया जा रहा है। बाजार में लोगों के मूवमेंट के कारण संभव है कि सियार डरकर कहीं छुप गया हो, फिर से ढूंढने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला को पंजा मारा, अंगुली चबा गया

जानकारी के अनुसार सियार ने तेजाजी चौक में रहने वाली एक महिला संतोष पत्नी भानु (45) को पंजा मारकर चोटिल कर दिया। महिला सुबह किसी काम से हॉस्पिटल जा रही थी। इस दौरान

सियार ने हमला कर दिया। सियार ने उसे पंजा मारा और उसकी हाथ की एक उंगली चबा गया। महिला को प्राथमिक उपचार के बाद हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई।

पहले तो कुत्ता समझ अनदेखा किया, भनक लगी तो हड़कंप

संजय कॉलोनी निवासी हिमांशु शुक्ला ने बताया- आज सुबह संजय कॉलोनी बांस वाली गली में एक सियार घूमता दिखा। पहले तो लोगों ने इसे कुत्ता समझकर अनदेखा कर दिया। लेकिन जब मोहल्ले के लोगों को इसके सियार होने की भनक लगी तो पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हमने अपने बच्चों को घर से बाहर निकालने के लिए मना कर दिया है। सियार गली में चक्कर लगा रहा था। कुछ स्ट्रीट डॉग उस पर भौंकने लगे। तब वह दौड़कर निकल गया। संजय कॉलोनी में बांस वाली गली में सियार को घूमता देख एक व्यक्ति ने वीडियो बना लिया। उन्होंने बताया- हमने इसकी सूचना वन विभाग को दी। कुछ लोग सियार को पकड़ने के लिए पहुंचे हैं। गली-गली में तलाश कर रहे हैं। अभी तक पता नहीं चला है। मोहल्ले वालों में सियार के मूवमेंट से दहशत है। इलाके में लोग घरों में कैद हो गए हैं। जरूरी होने पर ग्रुप में निकल रहे हैं। बच्चे घरों में कैद हो गए हैं। एक दूसरे से सियार के पकड़े जाने की जानकारी ले रहे हैं। हालांकि वन विभाग की टीम सियार की तलाश कर रही है।

कॉन्स्टेबल ने प्राइवेट बस ड्राइवर को थप्पड़ मारा, हंगामा

पुलिस का घेराव; महिला अरकने आरोपी सिपाही का मुंह सूंघकर कहा- शराब नहीं पी

नमस्ते राजस्थान

जालोर कॉन्स्टेबल के प्राइवेट बस ड्राइवर को थप्पड़ मारने के बाद जमकर हंगामा हुआ। लोगों ने पुलिस की गाड़ी को घेर लिया। आरोप था कि शराब के नशे में कॉन्स्टेबल ने ऐसी हरकत की है। मौके पर महिला एएसआई पहुंची और आरोपी सिपाही का मुंह सूंघकर कहा- इसने शराब नहीं पी है। बाद में कॉन्स्टेबल ने ड्राइवर को सॉरी बोला, तब जाकर मामला शांत हुआ। घटना जालोर के जिला अस्पताल बस स्टैंड की है। सोमवार की रात करीब 9.30 बजे जालोर जिला अस्पताल बस स्टैंड के पास पुलिस की गाड़ी में कॉन्स्टेबल बाबूलाल विश्नोई और एक अन्य सिपाही बैठा था। बाबूलाल पुलिस लाइन में तैनात है। इसी दौरान जीआर जाणी ग्रुप की प्राइवेट बस स्टैंड पर आई। बाबूलाल ने बस के पुलिस की गाड़ी में छू जाने का आरोप लगाया। गुस्से में वह (बाबूलाल) बस के आगे चला गया।

बस यात्रियों के साथ वहां मौजूद लोगों ने हंगामा किया

बस का ड्राइवर लोकेश कुमार दरवाजा खोलकर उतर ही रहा था कि बाबूलाल ने उसे थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद बस में बैठीं सवारियां, बस स्टैंड पर खड़े लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। बाबूलाल पुलिस की गाड़ी में जाकर बैठ गया। लोगों ने उस गाड़ी को घेर लिया। लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। कोतवाली थाने से एएसआई शशिकला मौके पर पहुंचीं। लोगों ने कहा कि शराब के नशे में बाबूलाल ने ड्राइवर को पीट दिया। एएसआई शशिकला अपनी गाड़ी से उतरकर पुलिस की गाड़ी के पास गईं। ड्राइवर सीट पर बैठे बाबूलाल विश्नोई का मुंह सूंघा और कहा कि इसने शराब नहीं पी है।

अरकने कहा- ड्राइवर को सॉरी बोलो

लोग कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। पुलिस बाबूलाल को जिला हॉस्पिटल ले गई और उसका मेडिकल कराया। मेडिकल में शराब पीने जैसी कोई बात सामने नहीं आई। लोगों का विरोध देख एएसआई शशिकला ने कॉन्स्टेबल बाबूलाल से कहा कि ड्राइवर को सॉरी बोलो। कॉन्स्टेबल ने सॉरी कहा। तब मामला शांत हुआ।

बस मालिक का आरोप- पुलिसकर्मी से 200 रुपए किराया लिया, इसलिए पीटा

उधर बस के मालिक दिलीप कुमार जाणी पुत्र बाबूलाल ने बताया- सोमवार को भीनमाल के पुनासा से एक व्यक्ति बस में बैठा था। उसे जालोर आना था। बस ड्राइवर ने उससे 200 रुपए किराया मांगा तो बोला पुलिस स्टाफ हूं। वह सादा कपड़ों में था। ड्राइवर ने उससे किराया ले लिया। इससे वह नाराज हो गया और उसने फोन पर जालोर में अपने साथी बाबूलाल को सूचना दी। इस तरह बस टच होने का बहाना बनाकर बाबूलाल ने ड्राइवर को पीट दिया। इसके अलावा बाबूलाल ने एक यात्री कैलाश कुमार को भी बस स्टाफ समझकर पीट दिया। कैलाश सांचौर से करौली के हिंडौन सिटी जा रहा था। सफर के दौरान उसे उल्टी हो रही थी इसलिए उसे केबिन

में बैठा लिया था। विवाद के दौरान कॉन्स्टेबल ने कैलाश को भी पीट दिया। दिलीप कुमार जाणी ने बताया कि जालोर तक आने वाले पुलिसकर्मी के बारे में जानकारी नहीं मिली है। पुलिस भी उसके बारे में सूचना नहीं दे पा रही है। इस मामले पर एसपी ज्ञानचंद्र यादव ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई करेंगे।

रामलीला का बदलता स्वरूप समाज के लिए खतरा

विनोद कुमार सिंह

एक बार और अब रामलीला की जगह लालाओं की लीला काफी हद तक हावी हो गई। रामलीला का बदलता स्वरूप समाज व संस्कृति नकुशान कर रही है। एक स्वस्थ्य समाज व हमारे सम्भयता व संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है।

आप में सें यहाँ कोई राम है?

दिल्लीवासियों का सम्बन्ध राम लीलाओं से काफी ही पुराना है। जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली का ऐतिहासिक। रामलीला मैदान है। जिसके जुड़ी हुई कुछ किस्से आज भी सुनने को मिलती रहती है। पिछले दिनों दिल्ली व एन सी आर राम भक्तों व रामलीलाओं मंचन व जयश्री राम व हर हर महादेव के नारे से पुरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। दिल्ली व एन सी आर वाले शाम होते हीअपने परिवार के सदस्यो के संग रामलीला का आनंद लेने घर से निकल पड़ते थे। मुझे भी कुछ रामलीलाओं को अवलोकन का सुअवसर मिला। इस दौरान मुझे एक जिज्ञासु व दर्शक की पैनी नजर से रामायण के कई पात्रओ के बारे में बारीकी से जानने का अवसर मिला। रामलीलाओं स्थलों व मंचों के कई क्षण व दृश्य ऐसे आयें जिसने मुझे ना प्रभावित किया बल्कि कुछ सोचने को मजबूर कर दिया। इन में दो उल्लेखनीय पहलू है। रामलीला कर राम -रावण युद्ध का प्रसंग। आप को बता दें राम - रावण का युद्ध काफी ही शिक्षाप्रद व रोचक है। आज रामलीलाओं में मर चुका है रावण का शरीर,सुनसान है किले का परकोटा,चारो दिशाओं में उदासी पसरी है,किसी के घर में नही जल रहा दीया। विभीषण के घर छोड़ कर सागर के तट पर बैठ है विजय श्री राम। विभीषण को लंका का राज्य पाठ सौंपते हुए ताकि सुबह हो सके निंविघ्न राज्याभिषेक,स्वयं राम लक्ष्मण से पुछते अपने सहयोगियों के कुशल क्षेम,चरणो में हनुमान बैठे। लक्ष्मण मन से क्षुब्द है। भ्राताश्री राम सीता माता को अशोक बाटिका मे क्यों नही लेने जाते है।

विभीषण का राज्याभिषेक हो गया है। लंका में राम प्रवेश कर एक भव्य भवन पहुंच गये है। हनुमान को अशोक वाटिका में संदेश देने भेजते है कि रावण मारा गया है और अब विभीषण लंकापति है। हनुमान का यह संदेश सुनकर माँसीता खामोश है,निहारती है उस रास्ते को। उनके मन में प्रश्न उठते है कि रावण का वध करते ही वनवासी राम,राजा राम बन गये क्या। लंका पहुंच कर वे क्यूं नही जानना चाहते है,एक वर्ष कहाँ रही सीता,कैसे रही उनकी सीता। माँ सीता के नयनों से अविरल बहते हए अश्रुधार। ना राम भक्त हनुमान नही समझ पाते, ना रामायण के रचयिता बाल्मिकी कह नही पाते है। माँ सीता आज सोचती है कि अगर राम आते मै उन्हें यहाँ के परिचायिकाओं से, जिन्होने रावण के आदेश पर मुझे भयभीत तो किया,लेकिन नारी के पूर्ण गरिमा प्रदान की,वे रावण की अनुचरी थी लेकिन मेरे लिए माताओं के समान थी। अगर स्वयं राम आते यहाँ मै उन्हें इसे मिलवाते,यहाँ के अशोक के वृक्षों से जिन्होंने मुझे अपने विश्वास पर अड़े की आपर शक्ति देती रही,यहाँ की पुष्प व लताओं से जिन्होनें उनकी सीता कीआँसुओं को ओंस के

कणों की तरह सहेज कर रखा। लेकिन वे अब तो वे राजा राम है कैसे आते अपनी सीता को लेने के लिए। देखते देखते कई पहर बीत गए,लंकापति विभीषण के नेतृत्व में माता सीता जी का श्रंगार की गई। भव्य पालकी मे बैठी हुई माँ सीता आज मन मन सोच रही है कि राजा जनक जी ने उन्हें इसी तरह से घर से विदा किया था। तभी वातावरण में स्वर गुंजता है कि सीता को मेरे पास पैदलआने दो। भुमि सुता माँ सीता जमीन पर कॉपती हुई चलते मन में ज्वलंत प्रशन उठते है कि मैंने स्वयंवर में जिसका वरण किया था क्या ये वही है यह पुरुष,जिसके प्रेम में अयोध्या का महल छोड़ कर उनके संग वन वन भटकी थी। हॉ रावण नें गोद मे उठाया था। मुझसे क्या था प्रणय निवेदन वह स्वयं में राजा था,चाहता तो बल पूवर्क ले जाता राजमहल में,लैकिन उसने मेरे स्त्रीत्व का अपमान कभी नही किया। रावण के विषय में सही जानकारी से आज बहुत लोग अपरिचित है। रावण कौन था,क्या रामायण का एक पात्र मात्र था आपके मन में भी कुछ ऐसे सवाल होंगे तो मै बता दूँ कि रावण एक महाज्ञानी,महा पराक्रमी और महाबलशाली था। रावण चारों वेदों का जानकार था। वह धरती पर मौजूद सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक था। हालांकि उसके अहंकार के कारण उसका अंत हुआ। रावण भगवान शिव का परम भक्त था और उसे यह वरदान था कि कोई भी देवी-देवता का उसका अंत नहीं सकता। यही कारण है कि रावण का वध करने के लिए भगवान विष्णु को मानव रूप में अवतार लेना पड़ा। भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसका अंत किया। रावण के अंत से पहले भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच कई दिनों तक युद्ध चला। धर्म और अधर्म के बीच हुआ यह युद्ध कितने दिनों तक चला,इस बार में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच 84 दिनों तक युद्ध लड़ा गया। युद्ध में सफलता के लिए स्वयं भगवान श्रीराम ने शक्ति की उपासना की थी। जिसके बाद लगातार 9दिनों तक युद्ध के बाद दसवें दिन रावण का अंत कर दिया। इसलिए हिन्दू धर्म में नौ दिनों तक शक्ति की उपासना की जाती है और दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण के बीच लगातार 8 दिनों सीधे युद्ध हुआ था। अश्विन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को दोनों के बीच शुरू हुआ संग्राम दशमी को रावण वध के साथ समाप्त हुआ। रावण का अंत करने के बाद भगवान श्रीराम को वापस अयोध्या पहुंचने में करीब 20 दिन लगे थे। शास्त्रों के अनुसार रावण की सेना में करोड़ो लोग थे,बावजूद इसके भगवान श्रीराम और उनकी वानर सेना ने बहुत पराक्रम के साथ युद्ध किया और श्रीराम ने रावण का अंत कर दिया। सिर्फ रावण ही नहीं बल्कि उसकी सेना में ऐसे कई पराक्रमी योद्धा थे,जिन्हें किसी मनुष्य के लिए हराना असंभव था। इसलिए भगवान विष्णु के अवतार के साथ-साथ भगवान शिव और अन्य देवताओं ने भी अवतार लिए थें। श्रीराम-रावण के युद्ध में रावण के चार भाइयों कुम्भकर्ण,खर,दूषण और अहिरावण ने हिस्सा लिया था। इनमें से अहिरावण का अंत हनुमानजी ने किया था जबकि बाकी तीन भाइयों का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। युद्ध में रावण के सात शूरवीर पुत्र भी उतरे थे। इनमें से मेघनाद, प्रहस्त और अतिकाय का अंत लक्ष्मणजी ने किया जबकि नरान्तक, देवान्तक और अक्षय कुमार का अंत हनुमान के हाथों हुआ। रावण के एक पुत्र त्रिशिरा का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। आगे की कथा आप सभी स्वयं जानते है-स्वयं सीता को अग्नि परीक्षा तक देने पड़ी राम,सीता व लक्ष्मण अयोध्या लौटे,नगर वासियों नें दिवाली मनाई थी। आप सभी भी दिवाली मनाने की तैयारी में जुट गए होगें। मै उदास हूँ,कुछ सोचने को मजबुर हो गया हूँ दशहरे की रात से। देश की राजधानी में रामलीला मंचन व मंच से लेकर रावण को जलाने के जशन में समाज की जानी हस्तियों ने ना सिर्फ शिरकत की बल्कि अपने को गौरवान्वित महसुस कर रहें। आज जिसने भी जलाई है क्या उसमें से किसी में मयार्दा पुरुषोत्तम राम के गुण थें क्या। चाहे वे केन्द्रीय मंत्री हो,मुख्य मंत्री हो या राजनीतिक दलों के राजनेता हो,समाजसेवी हो यहाँ तक कई संवैधानिक पदों पर आसीन माननीय-सम्मानीय हो या फिहस्तियाँ हो,कोई भी हो व्यक्ति हो या जिसने भी रावण दहन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया हो उनको लेकर मेरे मन में बार यह बार एक सबाल पूछ रहा है। यहाँ आपमें से कोई राम है क्या। मुझे तो यहाँ कोई भी राम नही मिला। वही दूसरी तरफ रामलीला आयोजक की व्यवस्था पर भी कई सवालिया निशान उठता है। रामलीला स्थलो की व्यवस्था,मंच के बाहर अव्यवस्थित पाकिंग,अस्थाई रूप से बनाई चारदीवारी पर पान मासला अन्य विज्ञापन सम्बन्धी विशालकाय पोस्टरों,रामलीला में आने जाने दर्शकों के मन जरूर दुष्प्रभाव सरकारी महकमे के आल अफसरों की उपस्थिति,दिल्ली पुलिस,आदि के साथ लाला जी का फोटो से व्यापार व रुतवा में स्वाभाविक रूप से प्रभाव पड़ता है। आयोजको का ध्यान रामलीला के सरकारी व सार्वजिक स्थान के लिए उपलब्ध कराई जाती है। जहाँ पर केन्द्र सरकार राज्य सरकार,कई स्वायत संस्थानों को रियायती दरों पर बिजली पानी,सुरक्षा व्यवस्था,मैदान उपलब्ध कराई जाती है। आयोजको द्वारा रामलीला मंचन के लिए चंदे से बड़ी रकम उगाई की जाती है। जिसका कोई हिसाब किताब कोई आडिट रिपोर्ट होती है या नही । भगवान ही जाने। एक रामलीला मंच में आयोजकों के द्वारा अपने लिए शीश महल की शान शौकत उपलब्ध थीं हद तो तक हो जब - भगवान श्री राम की प्रतिमा-खुले मैदान में स्थापित किया गया। इतना ही नही - हिन्दु देवी देवताओं की प्रतिमा को जमीन पर कुछ रखी गई थी लाला जी व उनके परिवार व मित्र परिजनों की आलीशान महलों में शीसें अन्दर - खान पान की व्यवस्था,फोटो सुट प्राईवेट प्रचार प्रसार के लिए कथाकथित झोला छाप आई -माईक लेकर मीडिया कर्मियों का खास इंतजाम था। फोटो सूट आदि व्यवस्था की गई थी। जो कि साधारण व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ रामलीला देखने को आते है। सबसे पहले उन्हें यहाँ प्रवेश के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। जैसे तैसे वह पहुंचते है फिर आयोजकों के प्राईवेट सिक्युटी गार्ड जिसे आयोजको अपने मित्र व परिजनों की आव भगत - शान शौकत रखी गई है। वे आम जनता को प्रताड़ित करने से नही चुकते है। ऐसे में अपने स्वभाव के मुताबिक तीरक्षी नजर अगर आप को कोई राम दिखे तो हमे भी बतायेगा जरूर। एक बार और अब रामलीला की जगह लालाओं की लीला काफी हद तक हावी हो गई। रामलीला का बदलता स्वरूप समाज व संस्कृति नकुशान कर रही है। एक स्वस्थ्य समाज व हमारे सम्भयता व संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है।

संपादकीय

हत्या से सनसनी

मुंबई के बांद्रा ईस्ट में अज्ञात व्यक्तियों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की कार से आए तीन लोगों ने नजदीक से गोली मार कर हत्या कर दी। गोली लगने के बाद गंभीर रूप से घायल बांद्रा पि म से तीन बार विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री रहे सिद्दीकी को पास के लीलावती अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने सुपारी हत्या की शंका जताई है। हमलावरों में से दो को लोगों ने मौके पर ही दबोच लिया। सिद्दीकी 40 साल कांग्रेस में रह चुकने के बाद हाल में कांग्रेस छोड़कर राकांपा (अजीत) में शामिल हुए थे। उनका पुत्र विधायक है। जिस तरह से इस घटना को अंजाम दिया गया है, उससे राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ी हालत का पता चलता है। विपक्ष भी सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार और खास तौर पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस पर हमलावर है, जिनके पास गृह विभाग भी है। चर्चा है कि हत्या को गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के गुर्गों ने अंजाम दिया है। गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई ने अभिनेता सलमान खान को भी धमकी दे रखी है और बाबा सिद्दीकी सलमान खान के काफी करीबी थे। पुसिल हर कोण से घटना के तार जोड़ने में जुट गई है, और महाराष्ट्र पुलिस के तेजतर्रार अफसरों को इस काम में लगाया गया है। भले ही इस घटना में कोईराजनीतिक एंगल दिखाई न पड़.रहा हो लेकिन इसके राजनीतिक असर से इनकार नहीं किया जा सकता। जल्द ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं, और इस प्रकार घर के बाहर हमलावर बेखौफ हत्या को अंजाम देने में सफल हो जाते हैं, तो नि त ही कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े.होंगे। लॉरेंस विश्नोई गैंग ने जिस तरह से एक के बाद एक हरकत से पुलिस को चुनौती दी है, उससे जरूरी हो गया है कि पुलिस सख्ती दिखाए। इसलिए पुलिस भी सख्ती दिखाना चाहती है। कुछ समय पहले सलमान खान के घर के बाहर भी रैकी करते हुए लॉरेंस विश्नोई गैंग के गुर्गे पकड़े.गए थे। अंड़रवर्ल्ड.के 87 से ज्यादा गैंगस्टर्स को मार गिराने और कई सरगनाओं का सफाया करने वाले एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक को बाबा सिद्दीकी हत्या मामला सौंपा गया है। दरअसल, जरूरी है कि गैंगस्टर्स को काननू-व्यवस्था पर, चुनाव से ऐन पहले तो कतई नहीं, हावी न होने दिया जाए। आमजन का कानून-व्यवस्था पर विश्वास बना रहना जरूरी है, और ऐसा गुंड़ा और अराजक तत्वों पर शिकंजा कसकर ही किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो नि त ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है।.....

मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

संजय गोस्वामी

डॉ. कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था. वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिडेंट भी कहा जाता था उनका मानना था कि श्इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे।

एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ। अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया। सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल यानीं स्ट के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े। अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका। 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, त्क्व् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए। इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्याद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे।ष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे।उन्होंने आई. आई. आई. टी. हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढाया था।कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए व्हाट कैन आई गिव पहल की शुरूआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार (2003 - 2004) एम.टी.वी. यूथ आइकॉन ऑफ द इयर अवार्ड के लिए मनोनित भी किया गया था।वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म आई ?म कलाम उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं। जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रही।इन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान-द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई! सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देते। ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे। 27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रह पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6:30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई।जिसके बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ अब्दुल कलाम परलोक सिधार गए।

हरित ऊर्जा : सस्ती प्रौद्योगिकी वक्त की मांग

अजय प्रताप तिवारी

बढ़ती जनसंख्या, घटते संसाधन न सिर्फ मानव जीविका को प्रभावित करते हैं, बल्कि इनसे ऊर्जा संसाधन भी प्रभावित होते हैं। आज वैश्विक स्तर पर घटते ऊर्जा स्रोत के समाधान की तलाश में सभी देश अपने-अपने स्तर पर काम कर रहे हैं। ऊर्जा की बढ़ती मांग और जीवाश्म ईधन के दहन से ग्रीनहाउस गैसों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे जलवायु परिवर्तन की घटनाएं बढ़ रही हैं।

ग्रीनहाउस गैसों को कम करने तथा ऊर्जा की मांग को पूरा करने में हरित ऊर्जा कारगर साबित हो रही है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की रिपोर्ट (2024) के अनुसार अगले तीन वर्षों में दुनिया भर में बिजली की मांग बढ़ेगी। इसे पूरा करने तथा पर्यावरणीय प्रभाव कम करने के लिए हरित ऊर्जा की ओर दुनिया देख रही है। भारत सौर ऊर्जा, जलीय और पवन ऊर्जा पर काफी जोर दे रहा है। भारत में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। सौर ऊर्जा को बढ़ावा और ऊर्जा संबंधी समस्याओं को कम करने के लिए पीएम सूर्य घर योजना को सरकार प्रोत्साहन दे रही है।

योजना के अंतर्गत एक करोड़ परिवारों को 300 यूनिट तक खे बिजली प्रदान की जाएगी। योजना का उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में बिजली की समस्या खत्म करना तथा सुरक्षित पर्यावरण प्रदान करना है। योजना केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान किया जा रहा है। इस योजना की खास बात यह है कि इसके तहत एक सोलर पैनल लगवाने के बाद कई वर्षों तक बिजली की मुफ्त आपूर्ति मिलती रहेगी। यह योजना आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से लाभदायक है। देश के आर्थिक विकास और उन्नति में ऊर्जा का महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। देश में ऊर्जा के विभिन्न आयामों को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन भी होता है। आने वाले कुछ वर्षों में एनर्जी सेक्टर में स्किल्ड वर्करों की मांग बढ़ेगी। भारत में बिजली समस्याओं से छुटकारा पाने में पीएम सूर्य घर योजना कारगर साबित हो रहा है लेकिन इसके समक्ष चुनौतियां कम नहीं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली भंडारण के लिए पूरी तरह से बैटरियों पर निर्भर होना पड़ता है, जो महंगी होती है तथा बैटरियों का सीमित जीवनकाल होता है, जिस वजह से बार-बार बदलना बड़ी समस्या बन सकती है। सौर ऊर्जा परिवर्तनशील और अनियमित प्रकृति की है। इसका एकमात्र हल भंडारण ही है। वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा का भंडारण प्रति वर्ष 23 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है।

अमेरिका और चीन में सौर ऊर्जा भंडारण सबसे ज्यादा है जबकि भारत में भंडारण की क्षमता सौर ऊर्जा उत्पादन से बहुत कम है। भारत वर्ष 2030 तक वैश्विक स्तर पर अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में तीसरे स्थान पर होने की संभावना है, लेकिन अक्षय ऊर्जा भंडारण में विश्व में शीर्ष पांचवां देश होगा। सोलर पैनल्स का औसत जीवनकाल 20-25 वर्ष होता है, लेकिन समय के साथ इनकी उत्पादन क्षमता घटने लगती है, इन्हें बदलने की आवश्यकता होती है, इसलिए भविष्य में अधिक निवेश की आवश्यकता होगी।

भारत में सोलर पैनल और अन्य उपकरणों की प्रारंभिक लागत अधिक होती है, जो आमजन के लिए आर्थिक बोझ हो सकता है, भले ही सरकार सब्सिडी दे रही हो लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक किल्लत बड़ी समस्या है। ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सिडी मिलने में देरी और सब्सिडी की जटिल प्रक्रिया होने से सोलर पैनल्स में निवेश करने से लोग हिचकिचाते हैं। लोगों में सोलर पैनल्स की तकनीकी जानकारी की भी कमी है, जिससे वे इस योजना के लाभ समझ नहीं पाते। सोलर पैनल्स के प्रदर्शन पर जलवायु परिवर्तन का भी प्रभाव पड़ सकता है। मौसम में अप्रत्याशित परिवर्तन होते हैं, तो इससे ऊर्जा उत्पादन प्रभावित हो सकता है। देश में सोलर पैनल्स की स्थापना के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की भी कमी है। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से पर्यावरणीय प्रभाव कम होने के साथ ही ई-कचरा भी बढ़ेगा जिसकी रीसाइक्लिंग के लिए काफी निवेश करना होगा।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की एक रिपोर्ट ने वैश्विक स्तर पर चेताया है कि जीवाश्म इंधन का

उपयोग कम नहीं किया गया तो ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन 2050 तक बढ़ कर दोगुना हो जाएगा। इसलिए आज वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की जरूरत है। इसके लिए तकनीकी सुधार और लागत कम करने के लिए अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए। सौर उपकरणों और पैनलों पर करों में छूट देना चाहिए ताकि इन्हें सस्ता और सुलभ बनाया जा सके। सौर ऊर्जा से संबंधित आवश्यक अवसंरचना के विकास पर ध्यान देना चाहिए। पीएम सूर्यघर योजना बिजली की उच्च लागत उत्पादन को कम करते हैं तथा बिजली की उत्पादकता को बढ़ाते हैं। जरूरत इस बात की है कि सौर ऊर्जा की भंडारण क्षमता को बढ़ाने के लिए सरल और सस्ती प्रौद्योगिकी का विकास किया जाए।

एईएन के यू-ट्यूब चैनल को देखने का बनाया दबावः

एडिशनल चीफ ने जारी किए आदेश,व्हाट्सऐप ग्रुप बनाने व लेफ्ट होने पर कार्रवाई की चेतावनी

नमस्ते राजस्थान

अजमेर अजमेर डिस्कॉम के एडिशनल चीफ इंजीनियर ने अपने ही सहायक अभियंता की ओर से बनाए गए यू-ट्यूब चैनल को देखने के लिए सभी 17 जिलों के कर्मचारियों-अधिकारियों को ऑफिशीयल आदेश जारी कर दिया। साथ ही एक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाने व इसके वीडियो हर शुक्रवार को ग्रुप में पोस्ट करने के निर्देश दिए है। इस ग्रुप से लेफ्ट होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए भी चेतावनी दी है। इस सम्बन्ध में बात करने के लिए कार्यवाहक प्रबन्ध निदेशक के.पी. वर्मा से बात की तो उनका कहना रहा कि ऐसा मेरी जानकारी में नहीं, लेकिन ऐसा आदेश कैसे जारी किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में जानकारी लेकर कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि अजमेर डिस्कॉम के अधीन अजमेर, नागौर, चित्तौड़गढ़, सीकर, उदयपुर, झुंझुनूं, भीलवाड़ा, राजसमंद , बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, ब्यावर, केकड़ी, डीडवाना-कुचामनसिटी, नीम का थाना, सलूंबर, शाहपुरा जिले आते है।

तुच्छ सोच के कर्मचारी गैर जिम्मेदार, अच्छी सोच रखें

आदेश में बताया कि डिस्कॉम की तरक्की के लिए कार्मिकों एवं उपभोक्ताओं का सुरक्षित रहना अनिवार्य है। कर्मचारी/व्यक्ति का सुरक्षित रहना या न रहना उस कर्मचारी/व्यक्ति की सोच पर निर्भर करता है। तुच्छ सोच के व्यक्ति/कर्मचारी गैर जिम्मेदार होते है और हमेशा असुरक्षित वातावरण का निर्माण करते हैं जबकि अच्छी सोच के कर्मचारी / व्यक्ति जिम्मेंदार होते हैं और सुरक्षित वातावरण का निर्माण करते है। ऐसी स्थिति में अपने कार्य से सम्बन्धित सभी प्रकार की आवश्यक ट्रेनिंग प्राप्त एक निपुण कर्मचारी, अपने विभाग और देश के लिए तभी उपयोगी हो सकता है जब उस कर्मचारी की सोच अच्छी हो अन्यथा वह सकारात्मक सोच के अकुशल कर्मचारी से भी अतुलनीय रूप से घातक होता है। जाहिर है सोच में सकारात्मक बदलाव ही मानव को सुरक्षित रखने में अहम् भूमिका निभाते है और सुरक्षित रहते हुए ही व्यक्ति अपनी क्षमताओं का अधिकतम योगदान दे सकता है।

बनाएंगे व्हाट्सऐप ग्रुप, लेफ्ट होने पर कार्रवाई

आदेश में बताया-कर्मचारी/व्यक्ति की सोच में परिवर्तन का सबसे प्रभावशाली तरीका चरित्र निर्माण से सम्बन्धित प्रेरक गीत, कविताएँ और सत्य घटनाओं पर आधारित प्रेरक दृष्टंन्तों को सुनने-सुनाने, पढने-पढाने एवं उन पर चर्चा से ही सम्भव है। अतः कनिष्ठ अभियन्ता (सुरक्षा), अ.वि.वि.नि.लि., अजमेर सभी ओ. एण्ड एम. सर्किल वार वाट्सेप ग्रुप बनायेंगे। जिसमें ओ. एण्ड एम. सर्किल के सभी कनिष्ठ अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता, टी. ए. टू एस. ई. व सेफ्टी विंग के मुख्य सुरक्षा अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता व कनिष्ठ अभियन्ताओं को जोड़ेंगे और ग्रुप एडमिन मुख्य सुरक्षा अधिकारी, अजमेर डिस्कॉम, अधिशासी अभियन्ता, अजमेर डिस्कॉम एवं कनिष्ठ अभियन्ता, अजमेर डिस्कॉम होंगे। इन ग्रुप से कोई भी सदस्य लेफ्ट होता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने का उत्तरदायित्व सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता (पवस) का होगा।

यूट्यूब चैनल के वीडियो ग्रुप में पोस्ट करेंगे

कनिष्ठ अभियन्ता (सुरक्षा), अजमेर डिस्कॉम के यू ट्यूब चैनल "जीने की राह सुरेन्द्र कुमार" पर उपलब्ध सभी मोटिवेशन रचनाओं एवं भविष्य में आने वाली मोटिवेशनल रचनाओं को प्रत्येक शुक्रवार को सभी वाट्सेप ग्रुप में पोस्ट करेंगे और ग्रुप के सभी सदस्य सुनकर एवं अपने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को वाट्सेप ग्रुप एवं विद्युत उपभोक्ताओं से सम्बद्ध वाट्सेप ग्रुप पर प्रत्येक शुक्रवार को वाट्सेप करेंगे । सभी कर्मचारियों को उनके सुविधाजनक रूप से सुनने के लिए समय समय पर एवं ट्रेनिंग के दौरान निर्देशित करते रहेंगे। मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रत्येक सब डिवीजन में सुरक्षा चर्चा हेतु शिड्यूल / कार्यकम तैयार करके सम्बन्धित सहायक अभियन्ता (पवस) को पत्र जारी करेंगे और पत्र में प्राप्त निर्देश की पालना में प्रत्येक सहायक अभियन्ता, स्वयं सहित अपने अधीनस्थ कुल कर्मचारियों (कनिष्ठ अभियन्ता, सहायक राजस्व अधिकारी, मंत्रालयिक एवं तकनीकी कर्मचारियों) में से ऐसे 20 प्रतिशत कर्मचारियों की सूची मुख्य सुरक्षा अधिकारी को नियत सुरक्षा चर्चा की दिनांक से कम से कम दो दिन पूर्व उपलब्ध करवाएँगे। जिन्होंने प्रत्येक मोटिवेशन रचना को भली भांति सुन लिया हो ताकि सभी कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से सुरक्षा चर्चा में भाग ले सके। इसके अतिरिक्त सहायक अभियन्ता अपने सब डिवीजन में सुरक्षा चर्चा के लिए उपयुक्त स्थान का चयन कर मुख्य सुरक्षा अधिकारी को अवगत कराएगे ताकि चर्चा को सम्बोधित करने के लिए अधिशासी अभियन्ता (सुरक्षा) अजमेर डिस्कॉम नियत स्थान पर, समय पर पहुँच सके। इस प्रकार प्रत्येक सब डिवीजन के 100 प्रतिशत कर्मचारियों को पाँच चरण में सुरक्षा चर्चा से लाभान्वित किया जाएगा। अतः आगामी सुरक्षा चर्चा में उन कर्मचारियों को नामित न करने की जिम्मेंदारी सम्बन्धित सहायक अभियन्ता की होगी जिन्होंने पूर्व में सुरक्षा चर्चा में भाग ले लिया है। सुरक्षा चर्चा के लिए नियत दिनांक से कम से कम दो दिन पूर्व तक सम्बन्धित सहायक अभियन्ता से सुरक्षा चर्चा में भाग लेने वाले कर्मचारियों की सूची प्राप्त न होने पर कनिष्ठ अभियन्ता (सुरक्षा), अजमेर डिस्कॉम सम्बन्धित सहायक अभियन्ता को फोन करके एवं ईमेल के जरिए पुनः स्मरण करवा कर सूची प्राप्त करेंगे एवं सूची में उल्लेखित सभी कर्मचारियों से मोबाईल पर वार्ता कर सुरक्षा चर्चा के लिए नियत समय पर सभी मोटिवेशनल रचनाएं सुन कर उपस्थित होने का स्मरण करवाएंगे । इस बाबत किसी कर्मचारी द्वारा सुरक्षा चर्चा के सम्बन्ध में अनभिज्ञता जाहिर की जाती है तो प्रकरण मुख्य सुरक्षा अधिकारी, अजमेर डिस्कॉम की जानकारी में लाना सुनिश्चित करेंगे।

रचनाएं सुनेगा तो ही भाग ले सकेंगा सुरक्षा चर्चा में

सुरक्षा चर्चा में अनुपस्थित रहने एवं मोटिवेशनल रचनाओं को बिना सुने आने वाले कर्मचारी को सुरक्षा चर्चा में भाग लेने की अनुमति नही दी जाएगी एवं ऐसे लापरवाह कर्मचारी के विरूद्ध सम्बन्धित सहायक अभियन्ता (पवस) अनुशासनिक कार्रवाही करते हुए प्रतिलिपि मुख्य सुरक्षा अधिकारी एवं सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता को देना सुनिश्चित करेंगे। यदि कोई कर्मचारी सुरक्षा चर्चा प्रारम्भ होने से पूर्व उपस्थित होने में असमर्थता से उचित समय पूर्व तक सम्बन्धित सहायक अभियन्ता को अवगत करवा देता है तो उसके स्थान पर अन्य कर्मचारी, जो कि सभी मोटिवेशनल रचनाएं सुना हुआ हो, को सुरक्षा चर्चा में भाग लेने के लिए प्रस्तावित कर सकेंगे।

सीकर में ट्रेलर और रोडवेज की आमने-सामने भिड़ंतः

टक्कर के बाद बस पलटी, सवारियां घायल; जांच में जुटी पुलिस

सीकर

सीकर के लक्ष्मणगढ़ थाना इलाके में आज ट्रेलर और रोडवेज बस की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि टक्कर होने के बाद रोडवेज बस पलट गई। जिससे बस में बैठे करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद लक्ष्मणगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल लाया गया।

ट्रेलर-बस आमने-सामने भिड़े

जानकारी के अनुसार, रोडवेज बस अनूपगढ़ डिपो की है जो जयपुर से बीकानेर की तरफ जा रही थी। वहीं ट्रेलर फतेहपुर से सीकर की तरफ आ रहा था। इसी दौरान लक्ष्मणगढ़ में बलारां तिराहे के नजदीक यहां आमने-सामने की भिड़ंत हुई। भिड़ंत होने के बाद बस पलटी तो इलाके में एक बार अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया। हादसे में कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। घटना में मुकारब अली, हर्षिका, कुलदीप,मनीष, साक्षी, अर्जुन, सरिता, अमित, घनश्याम, गायत्री, गणपत, बनेसिंह, मुन्नी देवी सुभाष, सुगन सिंह, प्रेम, खुशी, दाख कंवर घायल हुई। फिलहाल लक्ष्मणगढ़ पुलिस ने दोनों वाहनों को सुरक्षित खड़ा करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाड़मेर पुलिस बेड़े में बड़ा बदलाव, 6 CI , 4 SI बदलेंः

सोमकरण को चौहटन, दिनेश को शिव, भंवरसिंह महिला थानाधिकारी बनाया

बाड़मेर बाड़मेर एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने सीआई और एसआई की अलग-अलग लिस्ट निकालकर थानों के प्रभारियों में बड़ा फेरबदल किया है। एसपी ने 6 सीआई और 4 एसआई की तबादला सूची जारी की है। 6 सीआई के थाने बदले है। वहीं, फलौदी से एसआई को रीको थाने पद पर लगाया है। धोरीमन्ना थानाधिकारी पद को रिक्त रखा है।

6 सीआई के थाने बदले

एसपी ने एक आदेश निकालते हुए 6 सीआई के तबादले किए है। धोरीमन्ना थानाधिकारी माणकराम को साइबर थाना बाड़मेर, शिव थानाधिकारी सुमेरसिंह को क्राइम शाखा बाड़मेर, चौहटन थानाधिकारी पदमाराम को ट्रैफिक शाखा बाड़मेर, महिला थानाधिकारी सोमकरण चारण को चौहटन थानाधिकारी और साइबर थानाधिकारी भंवरसिंह जाखड़ को महिला थानाधिकारी पद लगाया है। दिनेश लखावत को शिव थानाधिकारी पद पर तबादल किया है।

जोधपुर में डॉक्टरों की हड़ताल:रजिडेंट और प्राइवेट डॉक्टर हड़ताल पर, मरीज हुए परेशान

जोधपुर कोलकाता में रेजिडेंट डॉक्टर से रेप व मर्डर मामले में एक बार फिर से डॉक्टरों का विरोध शुरू हो गया है। मंगलवार को देशभर में डॉक्टर हड़ताल पर है। जिसका समर्थन जोधपुर में भी आईएमए से जुड़े डॉक्टर व रेजिडेंट डॉक्टर 12 घंटे के लिए हड़ताल पर चले गए है। इसके चलते जोधपुर के एमडीएम, महात्मा गांधी व उम्मेद हॉस्पिटल में आने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को जोधपुर इकाई के अध्यक्ष डॉ संजय मकवाना के निर्देशन में क्रमिक अनशन मेडिकल कॉलेज के बाहर शुरू हुआ है। जहां अन्य डॉक्टर भी मौजूद है। यह विरोध डॉक्टरों पर बढ़ती हिंसा और दुर्व्यवहार के खिलाफ है। इसको लेकर दो महीने पहले भी रेजिडेंट व अन्य डॉक्टरों ने अपना विरोध जताया था और हड़ताल पर रहे थे। एक बार फिर से सभी डॉक्टर सेंट्रल प्रोटेक्शन बिल की मांग कर रहे है। इधर, डॉक्टरों की इस हड़ताल के चलते जोधुपर के तीनों बड़े हॉस्पिटल में भी सेवाएं प्रभावित हुई है। हॉस्पिटल में आने वाले मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी न और उन्हें समय पर उपचार मिले। इसको लेकर तीनों हॉस्पिटल के अधीक्षक व्यवस्थाओं को संभाले हुए है।

चाय बनाते समय युवक के कपड़ों में आग लगी:सीना और पेट झुलसा; परिवार के लोग खेत पर गए थे, पड़ोसियों ने बचाया

नमस्ते राजस्थान

पाली पाली में मंगलवार को चाय बनाते समय एक युवक के कपड़ों में आग लग गई। वह दौड़ते हुए घर से बाहर निकला, जिसे देख आसपास के लोगों में अफरा तफरी मच गई। मौके पर मौजूद पड़ोसियों ने आग बुझाई और उसे हॉस्पिटल ले गए। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे पाली रेफर किया गया। जहां फिलहाल उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन उपखंड के फुलाद गांव निवासी दिलीपसिंह(21) पुत्र मंगलसिंह रावत पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहा था। परिवार के लोग खेत में काम करने गए थे और घर पर दिलीप और उसकी छोटी बहन थे। चाय पीने की तलब होने पर दिलीप रसोई में चाय बनाने गया। इस दौरान अचानक गैस भभकने से उसके कपड़ों में आग लग गई। चिल्लाते हुए वह बाहर की तरफ भागा। उसका शर्ट आग से जल रहा था। पड़ोसियों ने आग बुझाई और उसके परिवार के लोगों को सूचना दी। हादसे में गंभीर घायल युवक को उपचार के लिए सिरियारी ले गए, जहां से उसे सोजत रेफर किया गया। हालत गंभीर होने पर युवक को सोजत से पाली भेजा गया। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में उसका उपचार जारी है। हादसे में युवक का सीना और पेट का काफी हिस्सा जल गया।

अप्रैल माह में हुई शादी

घायल के भाई ने बताया कि दिलीप सिंह की शादी अप्रैल 2024 में ही हुई थी। उसका ससुराल फुलाद गांव में ही है। नवरात्रा में उसकी पत्नी पीहर गई थी जो अभी तक पीहर ही है।

5 करोड़ की धोखाधड़ी में फंसा मुरादाबाद का मशहूर निर्यातकः

बीकानेर के निर्यातक ने SSP से की शिकायत; अमेरिका के एड्रेस पर कई फर्जी कंपनियां भी बनाई

नमस्ते राजस्थान

मुरादाबाद मुरादाबाद का एक मशहूर निर्यातक, उसके दो बेटे और पुत्रवधु 5 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में फंस गए हैं। बीकानेर के एक एक्सपोर्टर ने इस मामले में मुरादाबाद के एसएसपी सतपाल अंतिल से शिकायत की है। एसएसपी ने गलशहीद पुलिस को जांच कर मामला दर्ज करने के आदेश दिए हैं। रोशन चावला ने मुरादाबाद के निर्यातक शाहे आलम खान, उनके बेटे जुबैर आलम और जैद आलम और जुबैर आलम की पत्नी जैनब आलम पर 5 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत की है। रोशन चावला का कहना है कि रकम मांगने पर आरोपी उन्हें धमका रहे हैं। इसके अलावा रोशन चावला ने निर्यातक शाहे आलम पर अमेरिका में कई फर्जी डमी कंपनियां बनाकर भारत सरकार से ड्यूटी ड्रॉ बैक और एमईआईएस लाइसेंस के करोड़ों रुपए हड़पने के भी आरोप लगाए हैं। रोशन

चावला ने बताया कि बीकानेर से उनकी कंपनी हरदोई में कारपेट के धागे की सप्लाई करती थी। इस बीच यहां काम बढ़ा तो वर्ष 2011 में उन्होंने छट एक्सपोर्ट्स के नाम से हरदोई में ही एक फैक्ट्री शुरू कर दी। रोशन चावला के मुताबिक हरदोई में ही एक बाइंग एजेंट जुनैद अंसारी के जरिए वो मुरादाबाद के निर्यातक शाहे आलम के संपर्क में आए थे। बाइंग एजेंट ने उनसे कहा था कि मुरादाबाद के शाहे आलम बड़े एक्सपोर्टर हैं और उनकी अमेरिका में कई कंपनियां हैं। जिसे हर साल करोड़ों रुपए के कारपेट की जरूरत होती है।

अमेरिका को कारपेट एक्सपोर्ट कराया, पेमेंट नहीं दिया

रोशन चावला का कहना है कि, उनकी मुलाकात शाहे आलम और उनके बेटों जुबैर आलम व जैद आलम से हुई थी। इसके बाद इनके कहने पर उनकी कंपनी ने अमेरिका में शाहे आलम की कंपनी हॉरिजन होम इंपोर्ट्स को 2 साल तक करीब 5 करोड़ रुपए का कारपेट एक्सपोर्ट किया। जिसका पेमेंट भी आ गया। लेकिन 2013 में शाहे आलम ने कहा कि वो अपनी पुरानी कंपनी को बंद करके आलिया रग्स के नाम से नई कंपनी अमेरिका में इंट्रोड्यूज कर रहे हैं। इसलिए आगे से कारपेट इसी कंपनी को सप्लाई किया जाए। इस नई कंपनी में शाहे आलम की पुत्रवधु जैनब आलम प्रेसिडेंट थी। ये कंपनी अमेरिका के उसी पते पर रजिस्टर्ड थी, जिस पते पर हॉरिजन इंपोर्ट्स रजिस्टर्ड थी। रोशन चावला ने कहा कि उन्होंने 2013 से 2019 तक इस कंपनी को करीब 12 करोड़ रुपए का कारपेट एक्सपोर्ट किया। लेकिन 2019 में इस कंपनी ने काम बंद कर दिया और उनके करीब ढाई करोड़ रुपए का पेमेंट नहीं किया। जो अब ब्याज समेत करीब 5 करोड़ से अधिक बैठता है।

कहा-अमेरिका वाली कंपनी मेरी नहीं, मेरी भी रकम डूबी

बीकानेर के निर्यातक रोशन चावला का कहना है कि उन्होंने जब शाहे आलम से अपनी रकम का तकादा किया तो वो पहले तो बहाने बनाता रहा फिर साफ मुकर गया। उसनरे कहा कि अमेरिका की आलिया रग्स कंपनी उसकी है ही नहीं।

उसने इस कंपनी के प्रेजिडेंट पद से अपनी पुत्रवधु जैनब का नाम भी हटवा दिया।

निर्यातक शाहे आलम मुरादाबाद में कंपनी कंपनी से भी खुद की अमेरिका की कंपनी को एक्सपोर्ट भी करता था। उसने रोशन चावला से कहा कि मेरी रकम भी आलिया रग्स में डूब गई है।

ड्यूटी ड्रॉ बैक और टएक्र लाइसेंस का बड़ा खेल

अमेरिका में इन कंपनियों का खेल 2019 तक चला है। यानी तभी तक जब तक सरकार फॉरेन करेंसी लाने पर प्रोत्साहन के रूप में कुल एक्सपोर्ट वैल्यू का करीब 3 प्रतिशत एमईआईएस लाइसेंस देती थी। इसके अलावा हैंडीक्राफ्ट पर कारपेट पर उस समय तक करीब 8 फीसदी का ड्यूटी ड्रॉ बैक भी था। ऐसे में संदेह है कि मुरादाबाद के निर्यातक की अमेरिका में एक ही पते पर अलग-अलग नामों से बनी इन कंपनियों की आड़ में बड़े पैमाने पर सरकारी खजाने को भी चूना लगाया गया है। पुलिस इस पहलू से भी मामले की जांच कर रही है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने पुलिस को इस बारे में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट (EPCH) से ऑफिशियल डेटा लेकर छानबीन करने के निर्देश दिए हैं।

सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति ने दी मंजूरी

आंध्र प्रदेश में नई मिसाइल टेस्टिंग रेंज स्थापित होगी, माओवादियों के गढ़ अबूझमाड़ के घने वन क्षेत्र में युद्धाभ्यास रेंज स्थापना की प्रक्रिया होगी शुरू

डीआरडीओ रक्षा बलों के लिए बड़ी संख्या में हथियार प्रणालियों को विकसित करने के उन्नत चरण में है, जिसमें बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली, मानव पोर्टेबल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल, एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सहित कई अन्य प्रणालियां शामिल हैं। इनके परीक्षण के लिए भारतीय सेना भी लगातार अपने फायरिंग रेंज की संख्या बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक तरफ भारत नई-नई मारक क्षमता वाली मिसाइलें विकसित करके एयरोस्पेस की दुनिया में अपना दबदबा कायम कर रहा है तो दूसरी तरफ भारतीय सेना भी लगातार अपने फायरिंग रेंज की संख्या बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है।

सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने आंध्र प्रदेश में एक नई मिसाइल परीक्षण रेंज स्थापित करने को मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके अलावा सेना ने माओवादियों के गढ़ अबूझमाड़ के घने वन क्षेत्र में विशाल सैन्य युद्धाभ्यास रेंज की स्थापना करने की प्रक्रिया शुरू की है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 54,543 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित

अबूझमाड़ के 545 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में होगा युद्धाभास

नागयालंका में विभिन्न मिसाइलों का परीक्षण होगा

युद्ध समूहों और रॉकेट फोर्स का अभ्यास

भारतीय सेना माओवादियों के गढ़ अबूझमाड़ के घने वन क्षेत्र में 545 वर्ग किलोमीटर में फैले एक विशाल सैन्य युद्धाभ्यास रेंज की स्थापना करेगी। इसका उपयोग एकीकृत युद्ध समूहों, स्ट्राइक कोर, लड़ाकू विमानन ब्रिगेड, रॉकेट फोर्स के अभ्यास के लिए किया जाएगा। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में फैला हुआ अबूझमाड़ 4,000 वर्ग किलोमीटर में फैला वन क्षेत्र है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 07 अगस्त को नारायणपुर जिला प्रशासन से अबूझमाड़ के जंगलों के अंदर सेना के युद्धाभ्यास रेंज के लिए 54,543 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित करने को कहा है। पत्र में कहा गया था कि अबूझमाड़ के जंगलों में रेंज की स्थापना जिले के ओरछा तहसील के सोनपुर-गरपा क्षेत्र में की जाएगी।

तवांग में युद्धाभास रेंज स्थापित

उत्तरी सीमा पर भारतीय सेना ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में एक नई उच्च ऊंचाई वाली पहली फायरिंग रेंज स्थापित की है। यह युद्धाभ्यास रेंज सामरिक युद्ध अभ्यास के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें दुश्मन के टैंकों से बचाव जैसे हमला रणनीति शामिल है। सैन्य अभ्यास करने के लिए जमीन के एक बड़े टुकड़े की आवश्यकता होती है, यही वजह है कि युद्धाभ्यास रेंज का उपयोग किया जाता है। ये रेंज टैंक प्रशिक्षण और विभिन्न युद्धक्षेत्र परिदृश्यों के लिहाज से समर्पित क्षेत्र होता है, जिससे सैनिकों को सुरक्षित वातावरण में अपने कौशल को निखारने में सहूलियत मिलती है।

कई मिसाइलों का होगा परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन रक्षा बलों के लिए बड़ी संख्या में हथियार प्रणालियों को विकसित करने के उन्नत चरण में है, जिसमें बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली, मानव पोर्टेबल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल, एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल, त्वरित प्रतिक्रिया सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, वर्टिकल लॉन्च की गई छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली और सामरिक डोमेन में कई अन्य प्रणालियां शामिल हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सीसीएस ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिसके अनुसार नई मिसाइल रेंज आंध्र प्रदेश के नागयालंका क्षेत्र में स्थापित की जाएगी। नई मिसाइल टेस्टिंग रेंज का इस्तेमाल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, टैंक रोधी मिसाइल और सामरिक मिसाइल प्रणालियों के परीक्षण के लिए किया जाएगा।

राजनाथ ने नौसेना राडार स्टेशन के कार्यक्रम में कहा

शांति और व्यवस्था बनाए रखना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

भारत की समुद्री सीमाएं निर्धारित करने वाले देशों की ओर से भी समुद्री सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए। भारत के इस प्रयास में सभी मित्र देशों का साथ जरूरी है, क्योंकि यदि एक भी देश छूटा तो समझिए हमारा सुरक्षा चक्र टूटा। भारत तोड़ने में नहीं, बल्कि सबको जोड़ने में विश्वास रखता है, इसलिए हम लोग हर तरीके से सभी मित्र पड़ोसी देशों को साथ लेने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने तेलंगाना के विकाराबाद में नौसेना के वीएलएफ राडार स्टेशन की नींव रखने के बाद शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

संचार के लिए अहम ये केंद्र

रक्षा मंत्री ने कहा कि साधारण या असाधारण परिस्थिति में किसी भी कमांड सेंटर से जुड़े सभी लोगों के बीच सूचनाओं का निर्बाध प्रवाह होना बहुत जरूरी है और इस प्रकार के संचार के लिए ये केंद्र बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यह वीएलएफ स्टेशन समुद्री बलों के बीच संचार स्थापित करने की कड़ी में हमारा सबसे अहम प्रयास है। यह हमारे सशस्त्र बलों के कमांड सेंटरों के साथ समुद्र में हमारे जहाजों और पनडुब्बियों के बीच एक मजबूत और वास्तविक समय संचार विकसित करना चाहता है। यह स्टेशन हमारे समुद्री हित को सुरक्षित करने के समान दृष्टिकोण के साथ बनाया जा रहा है।

संचार प्रणाली का ढांचा आवश्यक

राजनाथ सिंह ने कहा कि रणनीतिक प्रभुत्व तथा संसाधनों के प्रतिस्पर्धा में अगर भारत को अपना हित सुरक्षित करना है, तो हमारे पास के प्लेटफार्मों और उपकरणों का होना बहुत जरूरी है, उसके साथ-साथ एक संचार प्रणाली का ढांचा भी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज हमारी नौसेना के पास लगभग बहुत से जहाज हैं। भारतीय नौसेना के कई जहाज और अन्य प्लेटफॉर्म पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उतारे गए हैं। हमारी नौसेना का क्षेत्र संपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में, पूर्व में मलक्का स्ट्रेट से, पश्चिम में अदन की खाड़ी, फारस की खाड़ी और अफ्रीका के पूर्वी तट तक फैला हुआ है। इतिहास भी इस बात का गवाह है कि जिस देश ने दुनिया में अपनी खास पहचान बनाई, उसने एक बार समुद्र पर अपना दबदबा जरूर बनाया। फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों ने समुद्र में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई।

आत्मनिर्भरता की नई राह : देश में ही बनेगी मेंटेनेंस फैसिलिटी

32 हजार करोड़ में अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की भारत ने डील फाइनल की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका और भारत के बीच मंगलवार को 32 हजार करोड़ की डिफेंस डील फाइनल हो गई है। इसके तहत भारत 31 प्रीडेटर (एमक्यू-9बी हंटर किलर) ड्रोन अमेरिका से खरीदेगा। ये अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का ही एक वैरिएंट है। ये ड्रोन तीनों सेनाओं को दिए जाएंगे। इसके मेंटेनेंस और रिपेयरिंग के लिए देश में ही फैसिलिटी बनाई जाएगी। दोनों देशों के सीनियर अफसरों ने मंगलवार को डील पर दस्तखत किए गए।

गौरतलब है कि पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में यह डील फाइनल हुई थी। भारत ने अमेरिका के साथ अमेरिकी चुनाव के एक हफ्ते पहले किया है। भारत थल, जल और वायु तीनों सेना के बेड़े में एमक्यू-9बी ड्रोन को तैनात करना चाहता है। इस ड्रोन को बनाने वाली कंपनी जनरल एटॉमिक्स, इसके मल्टीटैलेंटेड होने का दावा करती है। कंपनी का कहना है कि जासूसी, सर्विलांस, इन्फॉर्मेशन कलेक्शन के अलावा एयर सपोर्ट बंद करने, राहत-बचाव अभियान और हमला करने के लिए इसका इस्तेमाल हो सकता है।

1 1900 किलोमीटर क्षेत्र की निगरानी करने में सक्षम

2 एक घंटे में 482 किलोमीटर की उड़ान भरने में सक्षम

3 वायु और थल सेना को मिलेंगे 8-8 ड्रोन

चीन पर रखेंगे निगाह

इस ड्रोन के दो वैरिएंट स्काई गार्डियन और सिबलिंग सी गार्डियन हैं। भारत यह ड्रोन दो वजहों से खरीद रहा है पहली- एलएसी से लगे एरिया में चीन को मनक लगे बिना उसकी निगरानी करने के लिए। दूसरा- साउथ चाइना सी में चीन की घुसपैठ को रोकने के लिए। सी गार्डियन ड्रोन इसलिए खरीदे जा रहे हैं क्योंकि वे समुद्री निगरानी, पनडुब्बी रोधी युद्ध और सीमा पार लक्ष्य साधने सहित कई तरह की भूमिकाएं निभा सकते हैं। अमेरिका के ही ड्रोन इराक, सोमालिया, यमन, लीबिया और सीरिया में भी तैनात हैं।

35 घंटे तक हवा में रहेगा

एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का ही एक वैरिएंट है। रीपर ड्रोन से हेलफायर मिसाइल को लॉन्च किया जा सकता है। अमेरिकी ने इसी हेलफायर मिसाइल से जुलाई 2022 में काबुल में अलकायदा के लीडर अल-जवाहिरी को मारा था। यह ड्रोन करीब 35 घंटे हवा में रह सकता है। यह फुली रिमोट कंट्रोल्ड है। इसके लिए दो लोगों की जरूरत पड़ती है।

दो परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण को भी मंजूरी

इसी बैठक में भारतीय नौसेना के लिए दो परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण को भी मंजूरी दी थी। डीआरडीओ इन परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाएगा। भारतीय नौसेना को दो परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियां मिलेंगी, जो हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की क्षमताओं को कई गुना बढ़ाने में मदद करेंगी। इनका निर्माण लगभग 40,000 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।

नौसेना को मिलेंगे 15 ड्रोन

15 ड्रोन नौसेना और बाकी थल और वायुसेना को दिए जाएंगे। अमेरिका की जनरल एटॉमिक्स भारत को ये ड्रोन देगी। इन्हें चेन्नई में आईएनएस राजाली, पोरबंदर और गुजरात के सरसावा में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा इसे यूपी के गोरखपुर में भी तैनात किया जाएगा। इंडियन नेवी को 15 सी गार्जियन ड्रोन मिलेंगे। वायु सेना और थल सेना को ऐसे 8-8 ड्रोन मिलेंगे।

खबर संक्षेप

शिवमणि ने महानिदेशक का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। परमेश शिवमणि ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के 26वें महानिदेशक का कार्यभार संभाल लिया है । 35 वर्षों से अधिक के अपने शानदार करियर के दौरान वे तटवर्ती और समुद्री क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। महानिदेशक परमेश शिवमणि नौ-संचालन और दिशा-निर्देशन के विशेषज्ञ हैं और उनकी समुद्री कमान में उन्नत समुद्री गश्ती जहाज 'समर' और 'विश्वस्त' सहित भारतीय तटरक्षक बल के सभी प्रमुख जहाज शामिल हैं।

इंजीनियर राशिद को कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर आतंकी फंडिंग मामले में बारामुल्ला से सांसद इंजीनियर राशिद की अंतरिम जमानत 28 अक्तूबर तक बढ़ा दी है। अदालत ने राशिद के पिता से संबंधित चिकित्सा आधार पर जमानत अवधि बढ़ाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाते हुए राशिद को 28 अक्टूबर, 2024 को दोपहर 12 बजे तक जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है।

आर्थिक मंच में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आह्वान

अल्जीरियाई कंपनियां 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' में हों शामिल

एजेंसी ▶▶ अल्जीयर्स

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स में अल्जीरियाई-भारतीय आर्थिक मंच के संबोधन में 'व्यापार करने में आसानी' भारत की तीव्र वृद्धि और प्रभावशाली प्रगति पर जोर दिया। उन्होंने अल्जीरियाई कंपनियों को भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

अल्जीरिया मजबूत विकास भागीदार

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अल्जीरिया की तीव्र वृद्धि और विस्तारित अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में कई अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि अनिश्चित वैश्विक माहौल के बावजूद भारत का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने अल्जीरियाई कंपनियों को 'मेक-इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुर्मू ने कहा कि भारत अल्जीरिया को एक मजबूत विकास भागीदार के रूप में देखता है। हमारे दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 1.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है। भारत-अल्जीरिया संबंधों का आगे बढ़ना हमारे साझा मूल्यों, समान चुनौतियों और आपसी विश्वास पर आधारित है।

वॉट्सएप ने बैन कर दिए 80 लाख से ज्यादा भारतीय अकाउंट

नई दिल्ली। वॉट्सएप ने देश में बढ़े ऑनलाइन स्कैम्स के चलते एक बड़ा कदम उठाया है। व्हाट्सएप ने देश में लगभग 80 लाख वॉट्सएप अकाउंट्स को बैन कर दिया है। इस कदम को कंपनी की ओर से प्लेटफॉर्म की इन्टेग्रिटी को बनाए रखने और बढ़ते ऑनलाइनस्कैम को रोकने के लिए उठाया है।

वॉट्सएप की हाल ही में प्रकाशित हुई एक ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट के अनुसार, मेटा के स्वामित्व वाले इस इंस्टेंट मैसेजिंग एप ने 1 अगस्त से 31 अगस्त के बीच, वॉट्सएप ने कुल 84,58,000 भारतीय खातों को ब्लॉक किया है। इनमें से 16,61,000 अकाउंट पूरी तरह से बंद कर दिए गए हैं, यानी उन्हें उपयोगकर्ता की शिकायतें प्राप्त होने से पहले ही पहचान कर कार्रवाई की गई। यह वॉट्सएप के ऑटोमेटिक सिस्टम की मदद से किया गया, जो संदेहास्पद व्यवहार पैटर्न जैसे बड़े पैमाने पर मैसेज भेजने या अन्य असामान्य गतिविधियों का पता लगाते हैं।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला जिनेवा में बोले

भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों पर देश को गर्व, कौशल-प्रतिभा को सराहा

▶▶ नई दिल्ली

अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) एसेम्बली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल (आईपीडी) का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जिनेवा में भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर बिरला ने भारत की सक्रिय भागीदारी पर कहा कि यह एसेम्बली न केवल भारत की संसदीय कूटनीति की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि साझा वैश्विक चुनौतियों के समाधान के उद्देश्य से वैश्विक संवाद में भारत की अहम भूमिका को भी उजागर करती है। बिरला ने भारतीय प्रवासियों के कौशल, प्रतिभा और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि वे देश के ब्रांड एंबेसडर हैं और वे जिस देश में भी रहते हैं, वहाँ पारिवारिक संबंधों और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं।

कई क्षेत्रों में भारत व स्विस सहयोग बढ़ रहा

भारत और स्विट्जरलैंड के बीच गुटनिरपेक्षता और तटस्थता जैसे साझा मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक सौहार्दपूर्ण संबंधों की बात करते हुए बिरला ने दोनों देशों के बीच सहयोग का उल्लेख किया। कहा कि व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्रों में भारत-स्विस सहयोग बढ़ रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली के स्पीकर से भी भेंट की।

आजादी के 78 साल में कनाडा पहला देश, जिससे भारत ने तोड़े राजनयिक संबंध

ट्रूडो काल में सामान्य संबंधों के आसार नहीं 'फाइव आइज' देशों संग प्रभावित होंगे रिश्ते

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर से जुड़े विवाद को लेकर बीते सोमवार का दिन भारत और कनाडा के द्विपक्षीय व कूटनीतिक संबंधों के लिहाज से सबसे खराब साबित हुआ। देश की आजादी के 78 वें साल में पश्चिम का पहला विकसित देश कनाडा बना। जिससे भारत ने अपने राजनयिक संबंध तोड़ लिए। इसके पूर्व में एशिया में पाकिस्तान और चीन के साथ कूटनीतिक रिश्तों में खटास का इतिहास रहा है। विदेश मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-कनाडा के संबंधों में आई गिरावट का ये सिलसिला यहीं थमने वाला नहीं है। क्योंकि जब तक कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व वाली सरकार रहेगी।खालिस्तान समर्थक आतंकी भारत के खिलाफ आग उगलते रहेंगे और उसकी संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता के लिए चुनौती पेश करते रहेंगे। जिससे आपसी संबंध पटरी पर नहीं लौट सकते। इस पूरे घटनाक्रम में कनाडा के अलावा उसके 'फाइव आइज' समूह में शामिल देशों के साथ भारत के संबंधों यानी सामरिक साझेदारी पर आंच आ सकती है।

अलग खबर

भारत द्वारा नई दिल्ली और कनाडा से की गई राजनयिकों की वापसी के मामले पर हरिभूमि से बातचीत में बोले विदेश मामलों के विशेषज्ञ

2025 में संबंधों में सुधार की उम्मीदः सज्जनहार

पूर्व राजदूत अशोक सज्जनहार ने बताया कि कनाडा को लेकर भारत का निर्णय संबंधों में गिरावट का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इतिहास में देखें तो अभी तक हमने केवल पाकिस्तान और चीन के साथ अपने कूटनीतिक संबंध तोड़े हैं। पाकिस्तान के साथ कई मौकों पर ये किया गया। लेकिन चीन के साथ 1962 के युद्ध के बाद भारत ने अपने राजदूत को स्वदेश वापस बुला लिया था। इसके करीब डेढ़ दशक बाद 1976 में पुनः भारतीय राजदूत की बीजिंग में नियुक्ति की गई थी। भारत के मौजूदा कदम से कनाडा के साथ उसके संबंधों में काफी गिरावट आई है। लेकिन मुझे लगता है जब तक ट्रूडो की वहां सरकार रहेगी। तब तक सामान्य संबंधों की उम्मीद करना बेमानी है। हां, अगले साल कनाडा में चुनाव के बाद कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार आने के बाद हालात सुधर सकते हैं। क्योंकि इनकी पार्टी ट्रूडो के मुकाबले संतुलित रुख रखती है।

'फाइव आइज' देशों से प्रभावित होंगे

विदेश मामलों के वरिष्ठ पत्रकार रंजीत कुमार ने कहा, कनाडा द्वारा खालिस्तानियों को दिया जा रहा राजकीय समर्थन भारत के इस सटीक निर्णय की सबसे बड़ी वजह है। इससे न केवल भारत और कनाडा के कूटनीतिक संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बल्कि फाइव आइज समूह देशों के साथ भी हमारे रिश्ते खासतौर पर सामरिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। फाइव आइज को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने मिलकर गठित किया था। उन्होंने कहा, भारत की इन देशों के साथ रक्षा साझेदारी विकसित हो रही है। लेकिन खालिस्तान का मामला क्योंकि भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता से जुड़ा हुआ है।

अमेरिका की दबाव की रणनीतिः आगा

विदेश मामलों के विशेषज्ञ कमर आगा ने बताया कि वो इस पूरे मामले को दो तरह से देखते हैं। इनमें अब यह भारत-कनाडा नहीं बल्कि भारत बनाम जस्टिन ट्रूडो हो गया है। वो ही खालिस्तानियों के कट्टर समर्थक हैं। दूसरी ओर मुझे इस समूचे घटनाक्रम के पीछे अमेरिका का हाथ लगता है।

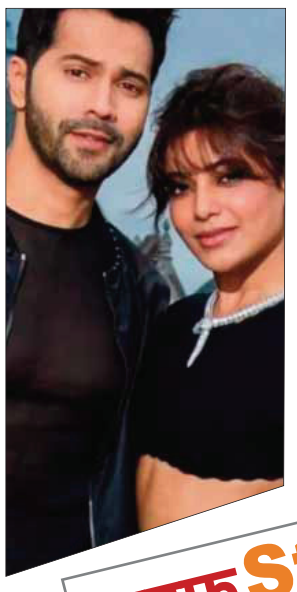

जारी हुआ वरुण-सामंथा की सीरीज का नया पोस्टर...

मुंबई। वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु की आगामी सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए खुशखबरी है, 'सिटाडेलः हनी बन्नी' के रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। दोनों अपनी आगामी सीरीज में जासूस के किरदार में नजर आने वाले हैं। बीते दिनों ही फिल्म के ट्रेलर रिलीज की जानकारी देते हुए बताया गया था कि इसका ट्रेलर 15 अक्टूबर को रिलीज होगा। सोमवार को अमेजन प्राइम वीडियो ने एक नया पोस्टर जारी करते हुए सीरीज के रिलीज डेट को लेकर जानकारी दी है। एक्शन से भरपूर होने का वादा करने वाली यह सीरीज 7 नवंबर से प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी। प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि यह हाई-ऑक्टेन थ्रिलर कैसे सामने आता है।

लाइफ Style

कृति

ऑडिशन में 10 एक्टर को किया रिजेक्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कृति सेनन की अपकमिंग फिल्म 'दो पत्ती'का ट्रेलर रिलीज हो गया है। काजोल संग कृति सेनन इस फिल्म में कभी न देखे गए अंदाज में नजर आने वाली हैं। कृति अपनी इस अपकमिंग फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगी। 'दो पत्ती'में उन्होंने एक्टिंग के साथ ही इसे प्रोड्यूस भी किया है।

फिल्म की राइटर कनिका ढिल्लों ने बताया कि एक्ट्रेस ने 'ध्रुव'के रोल के लिए कम से कम 10 लोगों के ऑडिशन के बाद टीवी एक्टर शाहीर शेख को सेलेक्ट किया। कनिका ढिल्लों कहती हैं, 'कृति फिल्म की निर्माता के तौर पर इसमें पूरी तरह से शामिल थीं। उन्होंने सभी ऑडिशन खुद ही किए थे। उन्होंने कहा लास्ट 10 राउंड मैं खुद ही ऑडिशन लूंगी। वो खुद जाकर सबके ऑडिशन लेती थीं। आधे लोग ये सोचकर घबरा जाते थे कि कृति ऑडिशन लेने आई हैं'। कनिका ढिल्लों के मुताबिक कृति ने उनसे कहा था कि फिल्म के लिए बहुत जरूरी है कि उन्हें सही ध्रुव मिले। कृति सेनन ने राइटर से कहा कि वो चाहती हैं कि उन्हें एकदम सही ध्रुव मिले, क्योंकि फिल्म में ध्रुव संग उनकी केमिस्ट्री बहुत महत्व रखती है। शाहीर शेख संग ऑडिशन के दौरान उन्हें लगा कि सिर्फ उनके साथ ही केमिस्ट्री जम रही है। एक्ट्रेस को लगा कि उनकी केमिस्ट्री काम कर रही है।काजोल, कृति सेनन और तन्वी आजमी स्टारर फिल्म 'दो पत्ती' इस साल की मच अवेटेड फिल्म है। फिल्म के ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये एक मर्डर मिस्ट्री है। सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

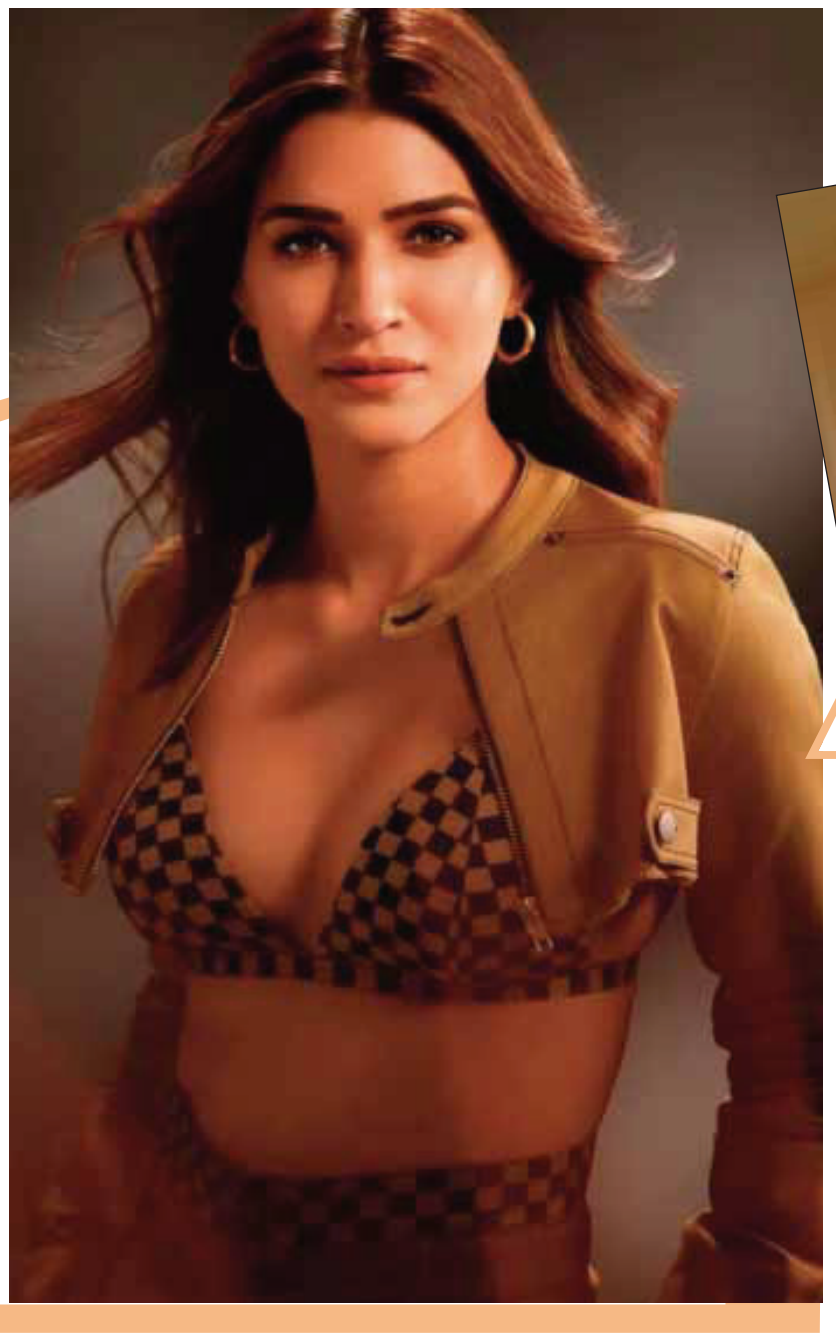

हॉलीवुड मसाला

पेरेंट्स से दूर रखना चाहती हैं बेटे को

लॉस एंजिल्स। इंटरनेशनल पॉप सिंगर जस्टिन बीबर और हैली बीबर ने हाल ही में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। उन्होंने अगस्त के आखिर में अपने बेटे जैक ब्लूज बीबर के आने की खुशखबरी अपने फैंस के साथ शेयर की. लेकिन इसी बीच एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही हैं, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। हैली अपने बेटे को अपने ही पेरेंट्स से दूर रखना चाहती हैं। दरअसल, नए पेरेंट्स के तौर पर अपनी भूमिका को समझते हुए उन्होंने एक बड़ा फैसला किया है।

रैपर कान्ये एक बार फिर कानूनी मुसीबत में फंसे

लॉस एंजिल्स। रैपर कान्ये वेस्ट एक बार फिर कानूनी मुसीबत में फंस गए हैं। अब वह अपने एक पूर्व कर्मचारी के मुकदमे से जूझ रहे हैं, जिसका दावा है कि उन्होंने अपनी शादी से पहले पत्नियों बियांका सेन्सोरी और किम कार्दशियन की जासूसी करने के लिए उसे फिक्सर के रूप में काम पर रखा था। कर्मचारी ने बताया है कि सेंसोरी को उसकी जानकारी के बिना विदेश में भी ट्रैक करने के आदेश दिए गए थे। कान्ये वेस्ट ने तुरंत इन आरोपों को 'काल्पनिक और झूठा' कहकर खारिज कर दिया और कहा कि मुकदमे का उद्देश्य उनके लिए दिक्कतें पैदा करना है और कुछ नहीं। कान्ये वेस्ट के मैनेजर मिलो यियानोपोलोस ने इस मुकदमे का जवाब दिया, जिसकी पहचान केवल जॉन डो के रूप में की गई है। डो का दावा है कि उसे कान्ये वेस्ट द्वारा काम पर रखा गया था।

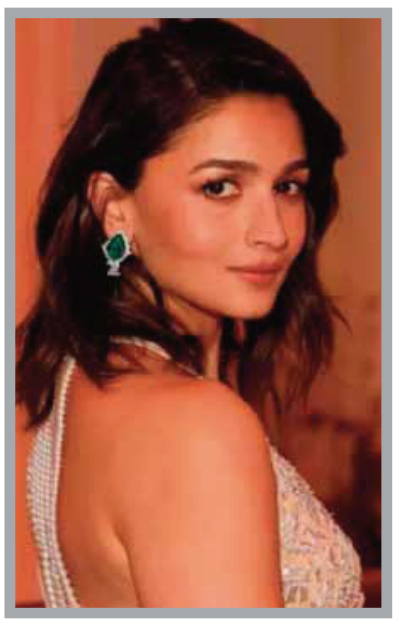

एडीएचडी बीमारी से जूझ रही हैं आलिया...

मुंबई। आलिया भट्ट ने हाल ही में एक बातचीत में खुलासा किया कि उन्हें एडीएचडी यानी अटेनशन डिफिशिएट हाईएक्टिविटी डिसऑर्डर का पता चला था। एक मनोवैज्ञानिक टेस्ट में इस बीमारी का मालूम हुआ। अपने बचपन के दिनों की बात करते हुए उन्होंने आगे कहा कि वे बचपन में अपनी क्लास के बच्चों से दूर हो जाया करती थीं और कभी-कभी बातचीत के दौरान गुस्सा हो जाया करती थीं। हाल ही में आलिया को अपनी इस बीमारी के बारे पता चला है। आलिया भट्ट ने कहा कि जब उन्होंने अपने दोस्तों को अपनी बीमारी के बारे में बताया तो आलिया के दोस्तों ने उनसे कहा कि वो पहले से ही जानते थे। हालांकि, आलिया को इस बारे में अब जाकर पता चला है। इस बीमारी से पीड़ित इंसान में ध्यान की कमी पाई जाती है।

सफेद शेरवानी में दूल्हे राजा बनकर छाए

मुंबई। रणबीर कपूर दूल्हे राजा के लिबास में नजर आए हैं। सफेद शेरवानी और पगड़ी में उनका अंदाज देखने लायक है। इतना ही नहीं, वायरल वीडियो में रणबीर बरात लेकर निकलते दिखे हैं और खूब नाचते-झूमते हुए आगे बढ़ रहे हैं। रणबीर कपूर को अचानक दूल्हे राजा के लिबास में देख अगर आप सोच रहे हैं कि उनका यह लुक किसी विज्ञापन और फिल्म से संबंधित है तो बता दें कि ऐसा नहीं है। फिर क्या है सच्चाई? रणबीर कपूर ने यह लुक मशहूर डिजाइनर तरुण तहिलियानी के शो के लिए अपनाया है। दिल्ली में आयोजित इस शो में रणबीर कपूर शो स्टॉपर बने। रणबीर कपूर भारतीय दूल्हे के लुक में नजर आए। वीडियो में रणबीर कपूर की कार और ढोल नगाड़ों के साथ एंट्री होती दिख रही है। रणबीर स्टेज पर भी अन्य मॉडल्स के साथ डांस करते हुए नजर आए।

टीवी मसाला

अनुपमा में होने जा रही है स्मृति ईरानी की एंट्री?

नई दिल्ली। राजन शाही का पॉपुलर शो अनुपमा शुरू से ही दर्शकों का फेवरेट शो रहा है। इस ने दर्शकों के दिल में अपनी एक खास जगह बनाई है। बीते दिनों कई किरदार इस शो को छोड़कर चले गए हैं। वहीं, अब रुपाली गांगुली का ये शो अपने लीप को लेकर चर्चा में बना हुआ है। जाहिर है कि 15 साल के लीप के बाद कहानी पलट गई है। साथ-साथ नए कलाकारों की भी एंट्री हुई। इसी बीच अब अनुपमा शो से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जो फैंस के लिए सप्राइज है। खबर है कि अनुपमा में स्मृति ईरानी की एंट्री हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा नेता स्मृति ईरानी फिर से टीवी पर वापसी करने वाली हैं। सूत्रों का कहना है की स्मृति टीवी के टॉप शो अनुपमा से छोटे पर्दे पर वापसी करने का मन बना रही हैं। क्या शो में स्मृति, रुपाली की जगह लेंगी या फिर किसी नए किरदार में होंगी ये क्लियर नहीं है। हालांकि, अभी तक स्मृति के अनुपमा में आने को लेकर मेकर्स या एक्ट्रेस की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

शेयर की अपनी आखिरी बची पलक की फोटो

नई दिल्ली। हिना खान ने कैंसर से जंग के बीच एक और इमोशनल लेकिन मोटिवेशनल पोस्ट डाला है। उन्होंने अपनी आखिरी बची पलक की तस्वीर पोस्ट की है। साथ में बताया है कि इस वक्त उनका मोटिवेशन क्या है। हिना ने लिखा है कि कीमोथेरपी की वजह से उनकी सारी पलकें झड़ गईं बस एक बची है। उम्मीद की है कि सब जल्द ठीक होगा। हिना ने कैप्शन लिखा है, जानना चाहते हैं, इस वक्त मेरे मोटिवेशन का सोर्स क्या है? कभी मेरी आंखों को सजाने वाली देर सारी मेरी जेनेटिकली लंबी पलकों के साथ रही यह बहादुर, अकेली सिपाही मेरी आखिरी खड़ी पलक सारी कठिनाइयों से लड़कर मेरे साथ खड़ी है। कीमो की लास्ट साइकल के करीब हूं तो यह आखिरी पलक मेरा मोटिवेशन है। हम आखिरी तक इसे भी देखेंगे। इंशाअल्ला हम जरूर देखेंगे। हिना ने साथ में लिखा है, मैंने एक दशक या असल में इससे ज्यादा समय से नकली आईलिड्स नहीं लगाई हैं पर अब अपने शूट्स के लिए लगानी पड़ती हैं। कोई ना। सब ठीक हो जाना है। दुआ।

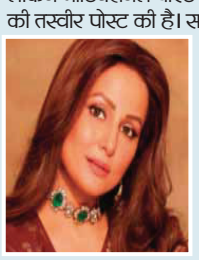

बाबा सिद्दीकी को अपने बेटे की तरह मानते थे सुनील दत्त...

नई दिल्ली। बाबा सिद्दीकी की हत्या ने राजनीति के साथ बॉलीवुड जगत के लोगों को भी हिलाकर रख दिया है। सभी जानते हैं कि बाबा सिद्दीकी के बॉलीवुड से अच्छे संबंध थे। शाहरुख-सलमान के अलावा संजय दत्त उनके काफी करीबी थे और दत्त फैमिली से उनका संबंध वर्षों पुराना था। बाबा सिद्दीकी के करीबी बताते हैं कि बॉलीवुड के साथ उनके संबंध की शुरुआत संजय दत्त के पिता सुनील दत्त के साथ हुई थी। दोनों एक-दूसरे के काफी करीबी थे। कहा जाता है कि सुनील दत्त सिद्दीकी को बेटे की तरह मानते थे। उनके जाने के बाद संजय दत्त और प्रिया दत्त से भी बाबा सिद्दीकी ने अच्छे संबंध रखे। दत्त और सिद्दीकी परिवार काफी नजदीक थे, अक्सर इफ्तार समेत अन्य फैमिली पार्टी में वे साथ शामिल होते थे। कहा तो यह भी जाता है कि जब संजय दत्त आर्म्स एक्ट में फंसे थे, तो बाबा सिद्दीकी उस मुसीबत की घड़ी में व्यक्तिगत रूप से उनके साथ खड़े थे। इसके अलावा संजय की बहन प्रिया दत्त की जब राजनीति में एंट्री हुई तो उन्होंने उनकी भी काफी मदद की। यही कारण है कि उसकी हत्या की जानकारी होते ही संजय दत्त सबसे पहले अस्पताल पहुंचने वालों में थे। प्रिया दत्त भी बाबा सिद्दीकी को देखने लीलावती अस्पताल गई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बाबा सिद्दीकी की दुखद मौत की खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। बाबा सिर्फ एक राजनीतिक सहयोगी नहीं थे, बल्कि वह मेरे परिवार के सदस्य थे। मेरे पिता के लिए बाबा सिद्दीकी एक बेटे की तरह थे और मेरे लिए वह एक भाई और एक प्यारे दोस्त थे।' उन्होंने आगे लिखा कि 'मेरे पिता की राजनीतिक यात्रा के दौरान और उसके बाद भी वे हमेशा उनके साथ खड़े रहे। जब मैंने राजनीति में प्रवेश किया, तो उन्होंने मुझे इसके उतार-चढ़ाव के दौरान मार्गदर्शन किया और अपना अटूट समर्थन दिया। उनका जाना परिवार के किसी सदस्य के चले जाने जैसा है।

आराध्या संग झूमते दिखे ऐश-अभिषेक

मुंबई। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन को लेकर तलाक की खबरें जोरों से फैल रही हैं, लेकिन अब एक और वीडियो सामने आ गया है जो सबके मुंह पर ताला लगाने के लिए काफी है। अनंत अंबानी के प्री वेडिंग के ट्रेलर में दोनों को एक साथ बैठकर एंजॉय करते देखा जा सकता है। साथ में उनकी बेटी भी है। एक नए वीडियो से पता चला है कि ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन, अनंत अंबानी की शादी के प्री-वेडिंग में एक साथ खुलकर एंजॉय कर रहे थे। अंबानी परिवार ने अनंत अंबानी की एक नई डॉक्यूमेंट्री रिलीज की है, जिसमें इस साल मार्च में जामनगर में हुए तीन दिन के प्री-वेडिंग फंक्शन की झलकियां दिखाई गई हैं।

रेलवे की पटरी पर बैठकर सोचते थे कि कैसे वो मुंबई जाने का सपना पूरा करेंगे

अपनी जन्मभूमि साहनेवाल का रेलवे स्टेशन और गलियां देख आंसुओं में डूब गए धर्मेंद्र

नई दिल्ली। बॉलीवुड इंडस्ट्री में कुछ दिग्गज कलाकार ऐसे हैं जिन्होंने बहुत छोटी जगह से निकल कर अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की और ऐसी सफलता हासिल की कि कभी इन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। लेकिन आज भी ये अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं और जब उनके सामने उनकी स्ट्रगल स्टोरी आती है तो वो काफी इमोशनल हो जाते हैं। ठीक इसी तरह से रियलिटी शो के मंच पर जब धर्मेंद्र पाजी पहुंचे और उन्हें उनकी जिंदगी के उस पहलू को दिखाया गया जब वो पंजाब के साहनेवाल में रहते थे। ये देखकर धर्मेंद्र पाजी इमोशनल हो गए।

स्ट्रगल स्टोरी देख हुआ इमोशनल

इंस्टाग्राम पर dharam_hema नाम से बने पेज पर रियलिटी शो का एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें गेस्ट जज के तौर पर धर्मेंद्र शामिल हुए और मंच पर जब उनकी कहानी दिखाई गई तो काफी इमोशनल हो गए। इस वीडियो में लुधियाना से 10 किलोमीटर दूर उनके गांव साहनेवाल को दिखाया गया और बताया गया कि कैसे यहां से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। सालों तक रेलवे की पटरी पर बैठकर वो ये सोचते थे कि कैसे वो मुंबई जाने का अपना सपना पूरा करेंगे। फिर उन्होंने यहां से निकल कर अपने एक्टर बनने की जर्नी शुरू की। ये वीडियो देखकर मंच पर बैठे धर्मेंद्र के अलावा उनके बेटे सनी देओल और उनके पोते भी इमोशनल हो गए।

धरम पाजी को कोई टक्कर नहीं दे सकता

सोशल मीडिया पर धर्मेंद्र का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और हजारों लोग इस वीडियो को लाइक कर चुके हैं। एक यूजर ने लिखा वी लव देओल फैमिली। एक ने लिखा कि हमारे दिलों से अपने गांव की यादें कभी नहीं जाती हैं। धर्मेंद्र के एक फैन ने लिखा कि धर्मेंद्र पाजी वो हैं जिससे कोई भी टक्कर नहीं ले सकता था उस समय। इसी तरह से कई यूजर्स ने इसपर लव इमोजी शेयर की और उनके प्रति अपना प्यार दिखाया। बता दें कि धर्मेंद्र का जन्म 8 दिसंबर 1935 को लुधियाना जिले के साहनेवाल गांव में एक जाट सिख परिवार में हुआ था। उन्होंने 1960 में दिल भी तेरा हम भी तेरा फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की और इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और सैकड़ों सुपर डुपर हिट फिल्में की। आखिरी बार धर्मेंद्र को फिल्म रॉकी रानी की प्रेम कहानी और तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में देखा गया था और अब जल्दी धर्मेंद्र अपने फिल्म के सीक्वल में नजर आने वाले हैं।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान
08
भीलवाड़ा

बुधवार,16,अक्टूबर, 2024

खबर संक्षेप

शैक्षणिक संस्थान का निदेशक गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक जाने माने शैक्षणिक संस्थान के निदेशक

को एक कर्मचारी से उसकी वार्षिक वेतन वृद्धि बहाल करने के एवज में कथित तौर पर 1.10 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। व्यक्ति की वेतन वृद्धि दो साल से रुकी हुई थी। एसीबी की ठाणे इकाई के पुलिस उपाधीक्षक धर्मराज सोनके ने एक विज्ञप्ति में जानकारी दी।

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे 300 हेक्टेयर भूमि लेंगे

औरंगाबाद। वाराणसी से कोलकाता तक भारत माला परियोजना के तहत बनने वाले

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए जिले में करीब 300 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। सड़क निर्माण कराने वाली कंपनी अंबा के एरका ने कॉलोनी के पास धनीबार गांव में अपना कैंप लगा दिया है।

अब यूपी में खाने में थूक मिलाया तो होगी जेल

लखनऊ। उत्तरप्रदेश में खाने में थूक मिलाने की लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद योगी सरकार

ऐसे मामलों को लेकर सख्त हो गई है। ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए सरकार अध्यादेश लाने की तैयारी में है। सीएम योगी आदित्यनाथ खुद ऐसे मामलों पर लगाम लगाने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। अध्यादेश में खाने में थूक मिलाया तो जेल होगी।

नाबालिग के सामने कपड़े उतारना यौन उत्पीड़न ही

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट में यौन उत्पीड़न के एक मामले की सुनवाई करते हुए एक बड़ी

टिप्पणी कि पॉक्सो एक्ट के तहत किसी नाबालिग के सामने कपड़े उतारकर यौन संबंध बनाना, यौन उत्पीड़न के बराबर है। केरल हाई कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि यह एक दंडनीय अपराध है। केरल हाई कोर्ट के जस्टिस बदरुद्दीन ने मामले की सुनवाई की।

महाराष्ट्र के कर्मचारियों को मिलेगा दिवाली बोनस

मुंबई। निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा से चंद मिनट पहले

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने निचले स्तर के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिवाली बोनस की घोषणा की। उन्होंने बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कारपोरेशन कर्मचारियों को भी 29 हजार रुपए बोनस देने की घोषणा की है। यह पिछले साल से तीन हजार रुपए ज्यादा है।

आजादी के 78 साल में कनाडा पहला देश, जिससे भारत ने तोड़े राजनयिक संबंध

ट्रूडो काल में सामान्य संबंधों के आसार नहीं 'फाइव आइज' देशों संग प्रभावित होंगे रिश्ते

भारत द्वारा नई दिल्ली और कनाडा से की गई राजनयिकों की वापसी के मामले पर हरिभूमि से बातचीत में बोले विदेश मामलों के विशेषज्ञ।

कविता जोशी ⏭ नई दिल्ली

खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर से जुड़े विवाद को लेकर बीते सोमवार का दिन भारत और कनाडा के द्विपक्षीय व कूटनीतिक संबंधों के लिहाज से सबसे खराब साबित हुआ। देश की आजादी के 78 वें साल में पश्चिम का पहला विकसित देश कनाडा बना। जिससे भारत ने अपने राजनयिक संबंध तोड़ लिए। इसके पूर्व में एशिया में पाकिस्तान और चीन के साथ कूटनीतिक रिश्तों में खटास का इतिहास रहा है। विदेश मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-कनाडा के संबंधों में आई गिरावट का ये सिलसिला यहीं थमने वाला नहीं है।

क्योंकि जब तक कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व वाली सरकार रहेगी। तब तक खालिस्तान समर्थक आतंकी भारत के खिलाफ आग उगलते रहेंगे और उसकी संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता के लिए चुनौती पेश करते रहेंगे। जिससे आपसी संबंध पटरी पर नहीं लौट सकते। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम में कनाडा के अलावा उसके 'फाइव आइज' समूह में शामिल देशों के साथ भारत के संबंधों यानी सामरिक साझेदारी पर आंच आ सकती है। विशेषज्ञ इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की भारत पर दबाव बनाने की नीति के रूप में भी देख रहे हैं।

एशिया में पाकिस्तान और चीन के साथ कूटनीतिक रिश्तों में खटास का इतिहास रहा

अलग खबर

2025 में संबंधों में सुधार की उम्मीदः सज्जनहार

पूर्व राजदूत अशोक सज्जनहार ने बताया कि कनाडा को लेकर भारत का निर्णय संबंधों में गिरावट का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इतिहास में देखें तो अभी तक हमने केवल पाकिस्तान और चीन के साथ अपने कूटनीतिक संबंध तोड़े हैं। पाकिस्तान के साथ कई मौकों पर ये किया गया। लेकिन चीन के साथ 1962 के युद्ध के बाद भारत ने अपने राजदूत को स्वदेश वापस बुला लिया था। इसके करीब डेढ़ दशक बाद 1976 में पुनः भारतीय राजदूत की बीजिंग में नियुक्ति की गई थी। भारत के मौजूदा कदम से कनाडा के साथ उसके संबंधों में काफी गिरावट आई है। लेकिन मुझे लगता है जब तक ट्रूडो की वहां सरकार रहेगी। तब तक सामान्य संबंधों की उम्मीद करना बेमानी है। हां, अगले साल कनाडा में चुनाव के बाद कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार आने के बाद हालात सुधर सकते हैं। क्योंकि इनकी पार्टी ट्रूडो के मुकाबले संतुलित रुख रखती है। उन्होंने कहा भारत का ये कदम दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर लगाया पूर्ण विराम नहीं है। आज भी कनाडा में भारत के छात्र बड़ी तादाद में पढ़ रहे हैं। दोनों का व्यापार भी काफी है व प्रवासी भारतीयों का आंकड़ा भी वहां बहुत अच्छा है।

अमेरिका की दबाव की रणनीतिः आगा

विदेश मामलों के विशेषज्ञ कमर आगा ने बताया कि वो इस पूरे मामले को दो तरह से देखते हैं। इनमें अब यह भारत-कनाडा नहीं बल्कि भारत बनाम जस्टिन ट्रूडो हो गया है। वो ही खालिस्तानियों के कट्टर समर्थक हैं। दूसरी ओर मुझे इस समूचे घटनाक्रम के पीछे अमेरिका का हाथ लगता है। क्योंकि वो जिसे अपना दोस्त (भारत) बनाता है। उसके पीछे एक दुश्मन जरूर छोड़ देता है। ये उसकी दबाव बनाने की पुरानी नीति है। जिसके घेरे में अब वो भारत को लाना चाहता है। पश्चिम के विकसित देशों में कनाडा पहला देश है। जिससे भारत ने राजनयिक संबंध तोड़े हैं। वहीं, हमें ये भी याद रखना चाहिए कि कनाडा में खालिस्तानियों की लॉबी काफी मजबूत है। अब अमेरिका में भी ये काफी मजबूत हो गए हैं। अमेरिकी दबाव की बानगी पहले बांग्लादेश में अस्थिरता और कनाडा संग प्रभावित हुए रिश्तों के रूप में हमारे सामने है।

'फाइव आइज' देशों से प्रभावित होंगे संबंधः रंजीत कुमार

विदेश मामलों के वरिष्ठ पत्रकार रंजीत कुमार ने कहा, कनाडा द्वारा खालिस्तानियों को दिया जा रहा राजकीय समर्थन भारत के इस सटीक निर्णय की सबसे बड़ी वजह है। इससे न केवल भारत और कनाडा के कूटनीतिक संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बल्कि फाइव आइज समूह देशों के साथ भी हमारे रिश्ते खासतौर पर सामरिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। फाइव आइज को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने मिलकर गठित किया था। मौजूदा दौर में कनाडा के अलावा इन सभी देशों में खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों में काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। स्थानीय प्रशासन का भी इन्हें पूरा सहयोग व समर्थन मिल रहा है। खालिस्तानियों द्वारा भारतीय राजनयिक परिसरों को निशाना बनाने की घटनाएं कनाडा के अलावा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा, भारत की इन देशों के साथ रक्षा साझेदारी विकसित हो रही है। लेकिन खालिस्तान का मामला क्योंकि भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता से जुड़ा हुआ है। ऐसे में अभी कनाडा और आगामी समय में फाइव आइज के बाकी देशों के साथ भी भारत की सामरिक साझेदारी प्रभावित हो सकती है।

कोलकाता मामले की सुनवाई

सीबीआई से जांच की प्रगति पर 3 हफ्ते में जवाब मांगा

आरजे कर में रेप और हत्या का मामला

एजेंसी ⏭ कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के अलावा अस्पताल की कथित वित्तीय अनियमितता के मामले में सीबीआई जांच जारी रहेगी।

केंद्रीय जांच एजेंसी को तीन हफ्ते के बाद अपनी जांच में हुई प्रगति के बारे में कोर्ट को सूचित करने का निर्देश भी दिया। सीबीआई की पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आरजी कर मामले में जांच से संबंधित अद्यतन स्थिति रिपोर्ट शीर्ष अदालत में दाखिल कर दी गई है। मेहता ने बताया कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए दुष्कर्म मामले के संबंध में संबंधित अदालत- सियालदह की कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। शुरुआती दलीलों को सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने कहा, सीबीआई रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि दुष्कर्म और हत्या के मामले में अन्य लोगों की कथित भूमिका की जांच जारी है।

एक और स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करनी होगी

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की तरफ से दाखिल स्थिति रिपोर्ट पर गौर किया। सीबीआई ने इसमें कहा है कि आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। संबंधित अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान ले लिया है। सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की वित्तीय अनियमितताओं की जांच में सामने आए घटनाक्रम पर भी प्रकाश डाला। तथ्यों का अवलोकन करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों मामलों में आगे की जांच जारी रहेगी। कोर्ट ने सीबीआई को तीन सप्ताह के भीतर मामले की जांच में आगे की स्थिति पर रिपोर्ट दाखिल देने को भी कहा।

सीजेआई समेत 3 जजों ने की सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। तीन जजों की पीठ ने दलीलों को सुनने के बाद पिछली तारीख पर सुनवाई के दौरान बीते 30 सितंबर को पश्चिम बंगाल सरकार के रवैये को लेकर असंतोष जाहिर किया था। कोर्ट ने सीसीटीवी लगाने, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शौचालय और अलग विश्राम कक्षों के निर्माण में 'सुस्ती' पर असंतोष व्यक्त करते हुए राज्य सरकार को 15 अक्टूबर तक सभी लंबित कामों को पूरा करने का निर्देश दिया था।

लोक सभा अध्यक्ष ने जिनेवा में भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया

भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों पर सभी भारतीयों को गर्व, कौशल-प्रतिभा को सराहा

आईपीयू में भारत की भागीदारी पर बोले ओम बिरला

⏭ नई दिल्ली

अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) एसेम्बली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल (आईपीडी) का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जिनेवा में भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर बिरला ने भारत की सक्रिय भागीदारी पर कहा कि यह एसेम्बली न केवल भारत की संसदीय कूटनीति की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि साझा वैश्विक चुनौतियों के समाधान के उद्देश्य से वैश्विक संवाद में भारत की अहम

भूमिका को भी उजागर करती है। बिरला ने भारतीय प्रवासियों के कौशल, प्रतिभा और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि वे देश के ब्रांड एंबेसडर हैं और वे जिस देश में भी रहते हैं, वहाँ पारिवारिक संबंधों और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं । उन्होंने कहा कि विविधता और समावेशिता ही भारतीय समुदाय की विशेषता है । जिनेवा में रह रहे भारतीय समुदाय ने अपने देश के लिए प्रेम के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा सांस्कृतिक विरासत में योगदान का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। बिरला ने भारत की समृद्ध परंपराओं और मूल्यों को बढ़ावा देने एनआरआई समुदाय की सराहना की और कहा इससे विश्व में देश की छवि बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारतवंशियों की उपलब्धियों पर सभी भारतीयों को गर्व है।

कई क्षेत्रों में भारत व स्विस सहयोग बढ़ रहा

भारत और स्विट्जरलैंड के बीच गुटनिरपेक्षता और तटस्थता जैसे साझा मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक सौहार्दपूर्ण संबंधों की बात करते हुए बिरला ने दोनों देशों के बीच सहयोग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्रों में भारत-स्विस सहयोग बढ़ रहा है। लोक सभा अध्यक्ष बिरला ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली के स्पीकर से भी मुलाकात की।

लेबनान में पेजर ब्लास्ट हो सकता है तो ईवीएम में छेड़छाड़ क्यों नहीं?

चुनाव आयुक्त बोले-पेजर नेटवर्क से जुड़ा पर ईवीएम तो सिंगल, वह कहीं कनेक्ट नहीं

ईवीएम के बारे में अब तक 20 शिकायतें हुईं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

महाराष्ट्र-झारखंड चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया। लेकिन, इसी बीच मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से एक बार फिर ईवीएम को लेकर सवाल पूछ लिया गया। सवाल था कि जब लेबनान में पेजर में ब्लास्ट हो सकता है तो फिर ईवीएम में छेड़छाड़ क्यों नहीं हो

ईवीएम की चेकिंग 6 महीने पहले होती है

सकती, आखिर वो भी तो एक सिस्टम ही है? राजीव कुमार ने ईवीएम के काम करने का तरीका बताया। उन्होंने कहा कि पेजर में ब्लास्ट हो सकता है, क्योंकि वो कनेक्टेड होता है। किसी न किसी नेटवर्क से उसका कनेक्शन होता है। लेकिन ईवीएम के साथ ऐसा नहीं है। ईवीएम सिंगल मशीन होती है, उसका किसी नेटवर्क, किसी इंटरनेट से कनेक्शन नहीं होता। इसलिए, उसमें छेड़छाड़ की कोई गुंजाइश नहीं होती। ईवीएम के बारे में अब तक 20 शिकायतें हुई हैं। ईवीएम की चेकिंग 6 महीने पहले होती है। मतगणना के वक्त ईवीएम को फिर चेक किया जाता है। ईवीएम पूरी तरह सुरक्षित है। हरियाणा चुनाव के बाद कांग्रेस समेत कई दलों ने ईवीएम को लेकर सवाल उठाए थे।

मोदी ने आईटीयू विश्व दूरसंचार मानकीकरण असेंबली का किया उद्घाटन

भारत मोबाइल निर्यातक बना, भारतीय चिप्स भी होगी पहचान

190 से देशों के 3,000 उद्योग नेता, नीति-निर्माता शामिल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आईटीयू विश्व दूरसंचार मानकीकरण असेंबली 2024 का उद्घाटन किया। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ-विश्व दूरसंचार मानकीकरण असेंबली में प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे।

पहली बार आईटीयू-डब्ल्यूटीएसए का आयोजन भारत और एशिया-प्रशांत में किया जा रहा है। 190 से अधिक देशों के 3,000 उद्योग नेता, नीति-निर्माता और तकनीकी विशेषज्ञ आईटीयू-डब्ल्यूटीएसए में भाग ले रहे हैं। 8वें इंडिया मोबाइल कांग्रेस का मूल विषय "भविष्य अभी है" है।

मूल विषय "भविष्य अभी है" था

120 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता

आज भारत टेलीकॉम और उससे जुड़े तकनीक के मामले में दुनिया के सबसे हैपनिंग देशों में से एक है। भारत में जहां 120 करोड़ मोबाइल फोन उपयोगकर्ता हैं, 95 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं।

आज 6 गुना ज्यादा मोबाइल निर्माण हो रहा

मोदी ने कहा कि 2014 में भारत में केवल दो मोबाइल विनिर्माण इकाइयां थीं और आज 200 से अधिक हैं। पहले हम ज्यादातर फोन विदेशों से आयात करते थे, आज हम भारत में पहले की तुलना में 6 गुना अधिक मोबाइल फोन का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत में सेमीकंडक्टर में भी भारी निवेश कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इस सभा का एक साथ होना भी अहम है। इसका लक्ष्य गोबल स्टैंडर्ड पर काम कर रहा है।

मोबाइल और टेलीकॉम दिलों के साथ जोड़ने का संसाधन बनाः सिंधिया

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पहले जमाने में मोबाइल और टेलीकॉम को केवल दूरभाष का संसाधन समझा जाता था और पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के आधार आज ये एक-एक व्यक्ति को विश्व के साथ और भारत में एक-एक व्यक्ति को दूसरे के दिलों के साथ जोड़ने का संसाधन बन चुका है।

योजना के दूसरे चरण से पहले हो रहा मूल्यांकन

प्रधानमंत्री की ड्रीम प्रोजेक्ट 'आदर्श ग्राम योजना' सुस्त, छग अव्वल

⏭ नई दिल्ली

अधिकांश राज्यों में बेहद सुस्त रफ्तार के कारण सांसद आदर्श ग्राम योजना रहेगी या फाइलों में फिर बंद कर दी जाएगी, इसके लिए विस्तृत सर्वे का आदेश केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रिय योजनाओं में से एक गांवों के चहुंमुखी विकास के लिए इस योजना के तहत सांसदों को आठ आठ ग्राम पंचायतों को गोदी लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से लेकर ग्रामीणों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए हर योजनाओं को लागू करने की जिम्मेदारी थी। जिसके तहत 2014 में मोदी सरकार के केंद्र में आने के बाद तीन ग्राम पंचायतों का विकास वर्ष 2019 तक किया जाना था। शेष पांच ग्राम पंचायतों के विकास के लिए 2024 मार्च तक का समय निर्धारित था। मगर, देश के कुल 6 हजार 300 ग्राम पंचायतों में से मार्च 2024 तक केवल 3 हजार 361 ग्राम पंचायतों में ही योजनाएं मूर्त रूप ले सकीं। छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, गुजरात, उप्र, मिजोरम और कर्नाटक जैसे राज्य के आंकड़े तस्दीक कर रहे हैं कि इन 6राज्यों में 70 फीसदी सूचीबद्ध योजनाएं विभिन्न ग्राम पंचायतों तक पहुंची। बिहार, पंजाब, असम और महाराष्ट्र फिसड्डी रहे।

स्वात्वाधिकारीः प्रकाशक एवं मुदकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com